लघु स्तर के विद्यार्थियों की वार्षिक पत्रिका

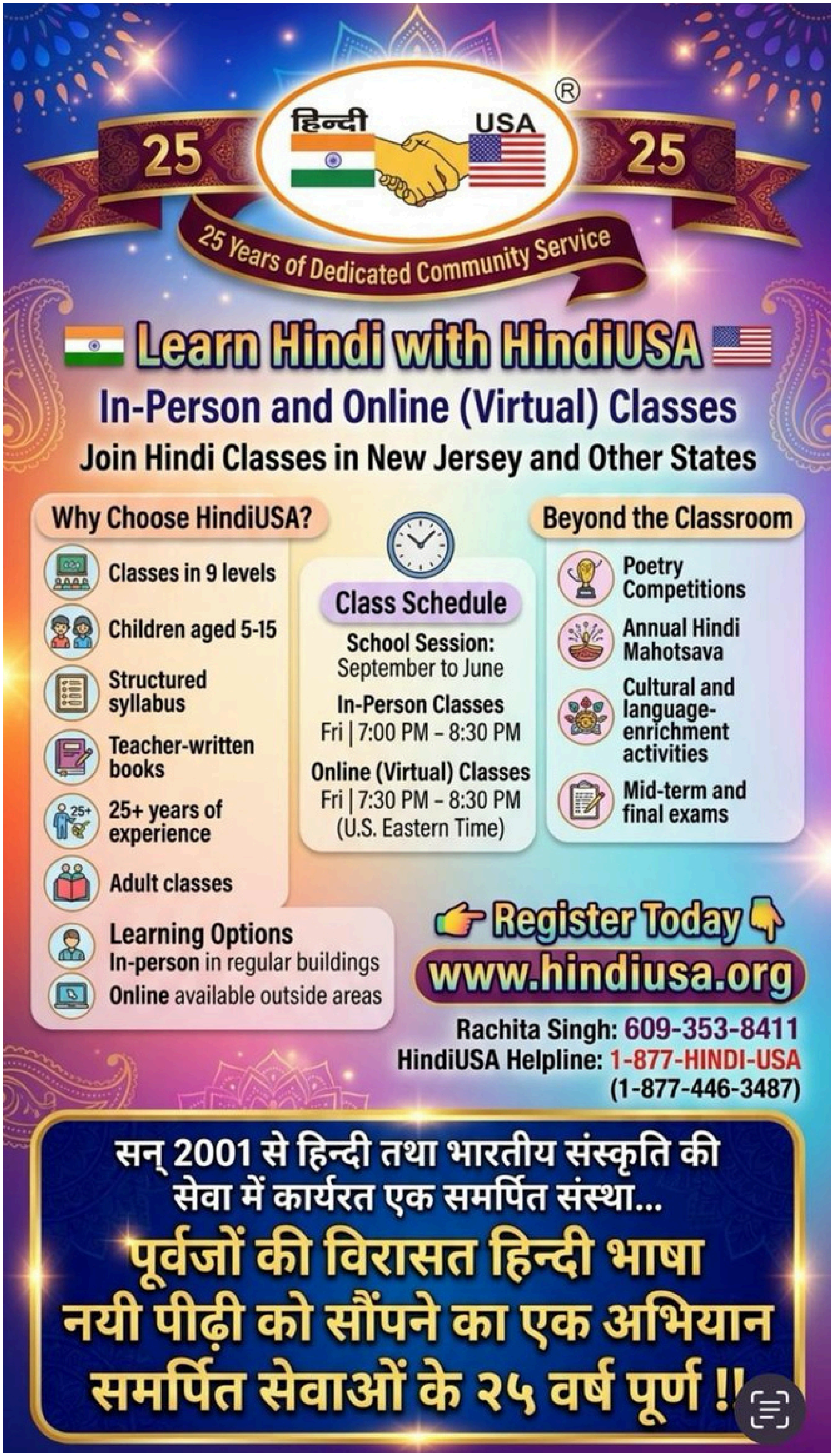
हिन्दी USA ®
25
25
25 Years of Dedicated Community Service
Learn Hindi with HindiUSA
In-Person and Online (Virtual) Classes
Join Hindi Classes in New Jersey and Other States
Why Choose HindiUSA?
Classes in 9 levels
Children aged 5-15
Structured syllabus
Teacher-written books
25+ years of experience
Adult classes
Learning Options
In-person in regular buildings
Online available outside areas
Class Schedule
School Session: September to June
In-Person Classes
Fri | 7:00 PM – 8:30 PM
Online (Virtual) Classes
Fri | 7:30 PM – 8:30 PM
(U.S. Eastern Time)
Beyond the Classroom
Poetry Competitions
Annual Hindi Mahotsava
Cultural and language-enrichment activities
Mid-term and final exams
Register Today
www.hindiusa.org
Rachita Singh: 609-353-8411
HindiUSA Helpline: 1-877-HINDI-USA
(1-877-446-3487)
सन् 2001 से हिन्दी तथा भारतीय संस्कृति की
सेवा में कार्यरत एक समर्पित संस्था...
पूर्वजों की विरासत हिन्दी भाषा
नयी पीढ़ी को सौंपने का एक अभियान
समर्पित सेवाओं के २५ वर्ष पूर्ण !!

www.hindiusa.org 1-877-HINDIUSA

स्थापना : नवंबर २००१ संस्थापक : देवेन्द्र सिंह

हिन्दी यू.एस.ए. के किसी भी सदस्य ने कोई पद नहीं लिया है,
किन्तु विभिन्न कार्यभार वहन करने के अनुसार उनका परिचय इस प्रकार है -

निदेशक मंडल के सदस्य

देवेन्द्र सिंह (मुख्य संयोजक) : 856-625-4335
रचिता सिंह (शिक्षण संयोजिका) : 609-248-5966
राज मित्तल (धनराशि संयोजक) : 732-423-4619
माणक काबरा (प्रबंध संयोजक) : 718-414-5429
सुशील अग्रवाल ('कर्मभूमि' संयोजक) : 908-361-0220

कार्यकारी संचालक

रीना सिंह
मधु राजपाल एवं राजीव राजपाल
इंदु श्रीवास्तव एवं राजीव श्रीवास्तव
योगिता मोदी एवं संजय मोदी

इंद्रधनुष - संपादकीय मंडल

रंजनी रामनाथन : पत्रिका संयोजिका (Coordinator)
इंदु श्रीवास्तव : पत्रिका संपादिका (Editor)
स्वागता माने : रूपरेखा और संरचना (Page designer)

स्तर संचालक - शिक्षण समिति

- कनिष्ठा-१ स्तर • क्षमा सोनी
- कनिष्ठा-२ स्तर • रंजनी रामनाथन, हेमांगी शिंदे, बबीता भारद्वाज
- प्रथमा-१ स्तर • मोनिका गुप्ता, सपना शर्मा
- प्रथमा-२ स्तर • सरिता नेमानी, सन्जोत ताटके, राजलक्ष्मी हरिदास
- मध्यमा-१ स्तर • इंदु श्रीवास्तव, अदिति महेश्वरी, चेतना मल्लारपु

अन्य समितियाँ

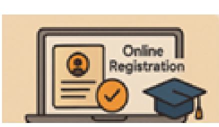

अमित खरे : वेब साइट, वीडियो
योगिता मोदी : बुक स्टाल प्रबंधन
वेणुगोपाल वर्मा : शिक्षण प्रबंधन और ऑनलाइन पंजीकरण
कविता प्रसाद : सजावट

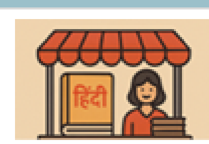

इंद्रधनुष की छटा निराली, हिंदी सबको लगती प्यारी।

इंद्रधनुष संपादकीय मंडल : संक्षिप्त परिचय

रंजनी रामनाथन : पत्रिका संयोजिका (Journal Coordinator)

रंजनी रामनाथन जी भारत में तमिलनाडु राज्य से हैं। इन्होंने एम.बी. ऐ. की डिग्री हासिल की है। वर्तमान में ये फाइनेंस के क्षेत्र में कार्यरत हैं।
रंजनी जी हिंदी यु.एस. ऐ. से पिछले १५ वर्षों से जुड़ी हुई हैं और कई वर्षों से कनिष्ठ-२ की स्तर संचालिका हैं।
इनकी पुत्री साउथ ब्रंसविक हिंदी पाठशाला की यूथ वालंटियर रह चुकी है और बेटा भी वहीं से स्नातक हुआ है। रंजनी जी को खाली समय में इंटीरियर डिजाइनिंग और किताबें पढ़ने का बहुत शौक है।

इंदु श्रीवास्तव : पत्रिका संपादिका (Editor)

इंदु श्रीवास्तव जी हिंदी यू.एस.ए. संस्था में मध्यमा -१ स्तर (आई-1) की स्तर संचालिका हैं, हिन्दी यू.एस.ए. की एग्जीक्यूटिव कॉर्डिनेटर हैं और ऑनलाइन हिंदी पाठशाला की सह संचालिका के तौर पर आवश्यकतानुसार अपनी सेवा और समय दान कर रही हैं। आपके दोनों बच्चे भी NJ SB HindiUSA पाठशाला से स्नातक होने के बाद अब हिन्दी यू.एस.ए. से युवा स्वयं सेवक के रूप में जुड़े हुए हैं।

इंदु श्रीवास्तव जी भारत में मध्य प्रदेश के खंडवा शहर से हैं। आपने इंदौर से इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की है और यू.एस.ए. में आई-टी मैनेजर के रूप में कई बैंकिंग एवं फार्मास्यूटिकल सेक्टर्स में कार्य कर चुकी हैं। उन्होंने हिंदुस्तानी संगीत में स्नातक की उपाधि अर्जित की है और समय मिलने पर कविता पाठ, गीत-संगीत के कार्यक्रमों में भाग लेती रहती हैं। आप एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भी काफी सक्रिय हैं। हिन्दीUSA के अलावा आप अन्य कई स्थानीय स्वयं सेवी और स्कूली संस्थायों में भरसक सहयोग और अपनी परिजनों के संग सेवा प्रदान करती आ रही हैं।

स्वागता माने : पत्रिका पृष्ठ रूप-रेखाकार (Page designer)

स्वागता माने, २००९ से हिंदीUSA से शिक्षक स्वरूप और २०१९ से ईस्ट ब्रुंस्विक पाठशाला की संचालिका के रूप में कार्यरत है | स्वागताजी ने, पुणे यूनिवर्सिटी महाराष्ट्र से मास्टर की डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएशन कंप्यूटर मैनेजमेंट की डिग्री प्राप्त की है । बचपन से चित्रकारी , fashion designing , शिल्पकारी जैसे क्षेत्रों में बड़ी दिलचस्पी रही | यूएसए में FIT न्यूयार्क यूनिवर्सिटी से टेक्निकल डिजाइनर का कोर्स पूरा किया है | १५ वर्ष Graphics designer रह चुकी है और अब ईस्ट ब्रुंस्विक Public Schools में काम कर रही है |
इनके दोनों बच्चे हिंदीUSA से स्नातक हुए हैं। दोनों बच्चे ५ वर्ष युवा स्वयंसेवक के रूप में हिंदीUSA से जुड़े रहे हैं |

इंद्रधनुष के रंग अनेक, हिंदी करती हमें एक।

शिकागो हरिओम गुरुकुल की ओर से
हिन्दी यू एस ए के २५ वर्षीय हिंदी महोत्सव की
हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएँ

💐🙏🙏

संपादक की कलम से : इंदु श्रीवास्तव

संपादकीय - इन्द्रधनुष के रंग: संस्कृति, संस्कार और हमारी नई पीढ़ी
(Editorial - Colors of Indradhanush: Culture, Values, and Our New Generation)

सप्रेम नमस्कार!

हिंदी यू.एस.ए. की वार्षिक पत्रिका 'इन्द्रधनुष' के इस विशेष रजत जयंती संस्करण में आप सभी का हार्दिक स्वागत है। वर्ष २०२६ हिंदी यू.एस.ए. के लिए अत्यंत गौरव और उल्लास का वर्ष है, क्योंकि यह संस्था अपनी पच्चीस वर्षों की प्रेरणादायी यात्रा पूर्ण कर रही है।

आज से २५ वर्ष पूर्व जब हिंदी यू.एस.ए. की स्थापना हुई थी, तब उद्देश्य केवल हिंदी भाषा सिखाना नहीं था, बल्कि सात समंदर पार हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति, संस्कारों और परंपराओं की जड़ों को नई पीढ़ी से जोड़कर जीवंत रखना था। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी पहचान, हमारी संवेदनाओं और हमारे अस्तित्व का दर्पण होती है। आज गर्व के साथ, यह कहते हुए सुखद अनुभूति हो रही है कि स्वयंसेवा, समर्पण और सामूहिक प्रयासों से प्रारंभ हुआ यह छोटा-सा संकल्प आज अमेरिका के सबसे बड़े हिंदी संगठनों में अपना विशिष्ट स्थान बना चुका है।

किसी भी संस्था की आत्मा, उसकी नींव, पुरस्कारों या दस्तावेज़ों में नहीं, बल्कि उससे जुड़े निस्वार्थ स्वयंसेवकों, समर्पित शिक्षकों, दूरदर्शी संयोजकों और सहयोगी अभिभावकों की सतत साधना में होती है। हिंदी यू.एस.ए. की पच्चीस वर्षों की यह उज्ज्वल यात्रा इन्हीं अनगिनत प्रयासों, समयदान और स्नेह का परिणाम है। हम उन सभी शिक्षकों और स्वयंसेवकों को नमन करते हैं, जो हर सप्ताह बिना किसी व्यक्तिगत लाभ के बच्चों को अपनी मातृभाषा और संस्कृति से जोड़ने का कार्य करते आ रहे हैं। साथ ही उन अभिभावकों के प्रति भी हम गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिन्होंने अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद बच्चों को हिंदी सीखने के लिए प्रेरित किया और हिंदी पाठशाला से जुड़े।

हमारी 'इन्द्रधनुष' पत्रिका भी इसी सांस्कृतिक संकल्प की एक सुंदर अभिव्यक्ति है। यह केवल शब्दों और चित्रों का संकलन नहीं, अपितु हमारे बच्चों की कल्पनाओं, रचनात्मकता, भावनाओं और सांस्कृतिक जुड़ाव का रंग-बिरंगा उत्सव है। जहाँ 'कर्मभूमि' उच्च स्तर के विद्यार्थियों की लेखन प्रतिभा को मंच प्रदान करती है, वहीं 'इन्द्रधनुष' विशेष रूप से कनिष्ठ स्तर के विद्यार्थियों की कल्पनाशील सोच, रंगीन चित्रों, क्राफ्ट, लघु रचनाओं और सृजनात्मक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है।

कनिष्ठ-१ से प्रथमा-२ तथा मध्यमा-१ स्तर तक के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कविताएँ, कहानियाँ, चित्र, हस्तकला, लेख और विविध परियोजनाएँ, इस पत्रिका को इंद्रधनुषीय रंगों से सजा रही हैं।

अमेरिका में पले-बढ़े बच्चों को देवनागरी लिपि में सोचते, लिखते और अपनी भावनाएँ व्यक्त करते देखना हमारे लिए अत्यंत गर्व और आनंद का विषय है। यह केवल भाषा सीखने की उपलब्धि नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़े रहने का सशक्त प्रमाण भी है।

इस वर्ष का अंक "हिंदी और हिंदी यू.एस.ए." को समर्पित है। इसके साथ ही इसमें कई नई और प्रेरणादायी गतिविधियों का समावेश भी किया गया है— जैसे प्रथम खेल दिवस का सफल आयोजन, मोबाइल ऐप विकसित करने वाले युवा स्वयंसेवकों का अभिनंदन, एलुमनाई कॉर्नर, आकर्षक मुखपृष्ठ डिज़ाइन तथा ऑनलाइन पाठशाला की वार्षिक झलकियाँ। इन सभी प्रयासों ने पत्रिका को और अधिक जीवंत तथा बहुआयामी बना दिया है।

'इन्द्रधनुष' के इस अंक को आकार देने में अनेक लोगों का स्नेह, सहयोग और मार्गदर्शन शामिल है। रचिता जी से मिली प्रेरणा तथा कर्मभूमि के संयोजक सुशील अग्रवाल जी के निरंतर सहयोग, एवं रंजनी रामनाथन जी, और स्वागता माने जी के कठिन परिश्रम के लिए हम हृदय से आभारी हैं। कनिष्ठ-१ से मध्यमा-१ स्तर तक के सभी शिक्षकगण विशेष साधुवाद के पात्र हैं, जिनकी प्रेरणा से विद्यार्थियों और उनके परिवारों ने इतनी सुंदर और रचनात्मक प्रस्तुतियाँ तैयार करी हैं।

व्यक्तिगत रूप से, मैं अपने परिवार — आदरणीय माता-पिता, भाई-बहनों, पति राजीव तथा बच्चों ईशा और ओजस — की भी अत्यंत आभारी हूँ, जिन्होंने सदैव मेरी साहित्यिक और रचनात्मक यात्रा को प्रोत्साहित किया।

आप सभी अभिभावकों, शिक्षकों और पाठकों से विनम्र अनुरोध है कि आप अपने बहुमूल्य सुझाव एवं प्रतिक्रियाएँ हमसे अवश्य साझा करें। आपके विचार 'इन्द्रधनुष' को और अधिक सुंदर, उपयोगी और प्रेरणादायी बनाने में हमारी सहायता करेंगे।

तो आइए, 'इन्द्रधनुष' के इन बहुरंगी पृष्ठों को पलटते हुए हम लघु स्तर के विद्यार्थियों की प्रतिभा, संवेदनशीलता और सांस्कृतिक चेतना का उत्सव मनाएँ। हमारी हार्दिक कामना है कि यह पत्रिका आने वाले वर्षों में भी भारतीय भाषा, बाल साहित्य और सांस्कृतिक मूल्यों की इस अमूल्य विरासत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाती रहे और हर वर्ष नए रंगों से और अधिक समृद्ध होती जाए।
आप सभी को इंद्रधनुष पत्रिका के द्वितीय अंक की पुनः बधाई !

सधन्यवाद,

इंदु श्रीवास्तव
संपादक, इन्द्रधनुष 🌈
हिंदी यू.एस.ए.

२५ वाँ शिक्षक अभिनंदन समारोह २०२५-२६

हिंदी यूएसए के रजत जयंती वर्ष में शिक्षक अभिनंदन समारोह भी बहुत उत्साह पूर्ण ढंग से मना। सज धज ढोल नृत्य जन्मदिन का अद्भुद गान स्वादिष्ट व्यंजनों का मेला, क्या नहीं था २०२५ के दिसंबर माह में! निधि बांगड़ जी के बनाई हुई २ सुंदर कृतियाँ जो रचिता जी की कल्पना को साकार रूप देकर सभी शिक्षक और स्वयं सेवकों को अभिभूत कर गई। शब्दों को लगाम देकर उन सुनहरे पल और यादगार स्मृतियों की कुछ झलक यहाँ प्रस्तुत हैं ।

सभ्यता की चूनर ओढ़े,
संस्कृति की पहचान है हिन्दी।
विश्व करता है नमन जिसे,
वह हमारा अभिमान है हिंदी॥
सभी शिक्षकों को सादर नमन

२५ वाँ शिक्षक अभिनंदन समारोह

हिंदी यू.एस.ए. मोबाइल ऐप : युवा स्वयंसेवकों का प्रशंसनीय योगदान

हिंदी यू.एस.ए. ने वर्ष २०२०-२१ में विद्यार्थियों के लिए हिंदी सीखने हेतु मोबाइल ऐप बनाने की पहल की। इस कार्य में सभी स्तर संचालकों, कई शिक्षक-शिक्षिकाओं, तकनीकी सहयोगियों और युवा स्वयंसेवकों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। ऑनलाइन पाठशाला की कक्षाओं के लिए यह इंटरैक्टिव ऐप बहुत ही सहायक सिद्ध हुई है।

वर्ष २०२०-२१ में, प्रथमा-२ स्तर से शुरू हुई यह यात्रा धीरे-धीरे मध्यमा-१, मध्यमा-२, प्रथमा-१, मध्यमा-२ और कनिष्ठ-२ स्तर तक पहुँच गई। सभी स्तर संचालकों के नेतृत्व में बड़े ही योजनाबद्ध तरीके से काम शुरू होता था। समीर पटेल जी एक अभिभावक और मोबाइल ऐप के टेक्निकल एक्सपर्ट के रूप में हमसे जुड़े।

युवा स्वयंसेवक ईशा श्रीवास्तव, आर्यन खरे, और ओजस श्रीवास्तव से शुरुआत करके सिद्धार्थ अग्रवाल, प्रिशा गर्ग, प्रियांशी गर्ग, हर्ष शिंदे, सिद्धि अय्यागरी, सोहना श्रीवास्तव, आर्याही शर्मा, अंश जग्गी, अवनी रुइया, आर्यन रुइया, सहित कई युवा स्वयंसेवकों ने पुस्तकों की जानकारी, ऐप प्रोग्राम की समझ, डेवलपमेंट, डेटा एंट्री, टेस्टिंग और सुधार कार्य में पूरे समर्पण से योगदान और समय दान दिया।

ऐप का उपयोग कर, अभिभावकों और विद्यार्थियों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रियाओं ने हमें इस प्रयास को और आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी। आज हिंदी यूएसए की मोबाइल ऐप्स कनिष्ठ-२ से मध्यमा-३ तक के स्तर को उपलब्ध हैं और विद्यार्थियों के लिए एक प्रभावी एवं उपयोगी अध्ययन उपकरण बन चुकी हैं।

मार्च २०२६ को, हिंदी यूएसए के रजत जयंती वर्ष में, देवेंद्र जी, रचिता जी और राज जी के शुभ आशीर्वाद से, युवा स्वयं सेवक संचालक - मानक काबरा जी और सरिता नेमानी जी ने उन सभी युवा स्वयंसेवकों का विशेष अभिनंदन पत्र दिया जिन्होंने इस परियोजना को सफल बनाने में अपार योगदान दिया। इस समारोह को देख कर कई और युवा स्वयं सेवक भी प्रेरित हुए और शेष स्तरों की ऐप बनाने के लिए उत्साहित हो गए हैं।

हिंदी यू.एस.ए. के मोबाइल ऐप समन्वयक के रूप में इंदु और राजीव श्रीवास्तव जी ने सभी सहयोगियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य किया और आज के आधुनिक युग में विद्यार्थियों के लिए एक उपयोगी शिक्षण साधन उपलब्ध कराया। यह ऐप बच्चों के लिए “कक्षा के बाहर भी शिक्षक जैसा मार्गदर्शन” प्रदान करने वाला प्रभावी माध्यम बन गई है।

इंद्रधनुष – मुख पृष्ठ विजेता
आरना श्रीवास्तव - अटलांटा हिंदी पाठशाला, मध्यमा-२ स्तर विद्यार्थी

कनिष्ठ-१
Starter I
(S-1)

कनिष्ठ-१ वेस्ट विंडसर प्लेन्सबोरो

कक्षा की रंग-बिरंगी सीख

शिक्षिकाएँ : दीपा जी एवं प्रीति जी

हम कनिष्ठ–१ की शिक्षिकाएँ दीपा जी और प्रीति जी हैं। सितंबर से दिसंबर तक हमने अपने नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के साथ ज्ञान और आनंद से भरी एक सुंदर सीखने की यात्रा तय की।

सबसे पहले हमने बच्चों को “नमस्ते” और “धन्यवाद” जैसे संस्कारी शब्दों का अर्थ और महत्व समझाया। बच्चों ने सीखा कि ये छोटे-छोटे शब्द हमारे व्यवहार को कितना मधुर और सुंदर बनाते हैं।

इसके बाद हमने उन्हें रंगों की प्यारी दुनिया से परिचित कराया। बच्चों ने सफेद, काला, हरा, लाल, गुलाबी, पीला, नीला, सतरंगी और बैंगनी रंगों को पहचाना और उनके नाम बड़े उत्साह से बोले।

आगे चलकर बच्चों ने १ से १० तक की गिनती सीखी। खेल-खेल में उन्होंने संख्याओं को पहचानना और बोलना शुरू किया।

हमने घर के अलग-अलग कमरों के बारे में भी चर्चा की। बच्चों ने अपने कमरे की बातें बड़े गर्व से बताईं—जहाँ उनके खिलौने, गुड़िया, तकिया, चादर, बिस्तर, खिड़की और कपड़े होते हैं। फिर रसोईघर की बारी आई। बच्चों ने फ्रिज, तवा, गैस, खाना, फल, सब्ज़ी और रोटी जैसे सामानों के नाम बताए।

घर के बाहर की दुनिया को जानने के लिए हमने पार्क के बारे में भी सीखा। बच्चों ने झूला, मिट्टी, पतंग, पेड़, सीढ़ी और गुब्बारे जैसी चीज़ों को पहचानना सीखा। बसंत पंचमी के अवसर पर बच्चों ने रंग-बिरंगी पतंगें भी बनाईं, जो उनकी रचनात्मकता का सुंदर उदाहरण थीं।

इसके साथ ही हमने मिठाई की दुकान और परिवार के रिश्तों के बारे में भी चर्चा की। बच्चों ने दादाजी, दादीजी, नानाजी, नानीजी, बुआजी, भाई और बहन जैसे रिश्तों को समझा और बड़े प्यार से उनके नाम बोले।

इन्हीं सभी विषयों को ध्यान में रखते हुए हमारे बच्चों ने अपने सुंदर और सृजनात्मक प्रोजेक्ट तैयार किए। हमें अपने नन्हे विद्यार्थियों की मेहनत, उत्साह और प्रगति पर अत्यंत गर्व है।

छात्र का नाम - वेद श्रीकांत
विवरण - मेरा कमरा

छात्र का नाम - माइल्स पटेल
विवरण - जानवर और संख्या

छात्र का नाम - इवांस शेकीवार
विवरण - इवांश का घर

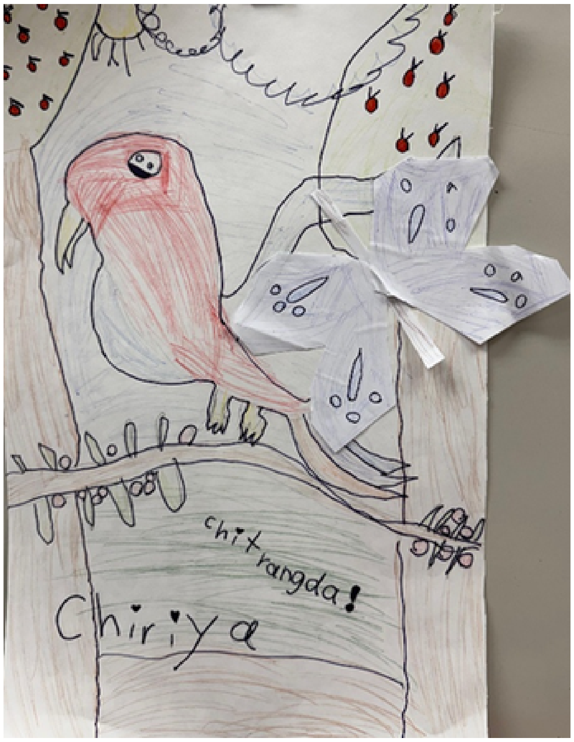

छात्र का नाम - चित्रांगदा सागर
विवरण - पेड़ पर बैठी चिड़िया तितली के पास

छात्र का नाम - अलेख सत्संगी
विवरण - अलेख का कमरा और खेल का मैदान

कनिष्ठ-२
Starter II
(S-2)

कनिष्ठ-२ एडिसन

वर्षा गुलवानी

हम सब इस बात से सहमत हैं की बच्चों को खेल खेल में सीखना अच्छा लगता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए एडिसन हिंदी पाठशाला की कनिष्ठा २ की कक्षा के बच्चों को गिनती और मानव भावनाएं सिखाने का प्रयास किया।

हमने कक्षा में गिनती सिखाने के लिए घडी परियोजना करवाई, जिसमे बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। सबने बहुत सुन्दर घड़ियाँ बनायीं। अलग अलग वस्तुओं को प्रयोग किया जैसे की प्लास्टिक प्लेट और पेपर प्लेट्स। इस परियोजना में बच्चों ने १ से १२ गिनती सीखी और समय भी बताया।

हमने मानव भावनाएं सिखाने के लिए आलू का प्रयोग किया। बच्चों से आलू पे मार्कर से अलग अलग भावनाएं बनानी बोली। कक्षा में बच्चों को बहुत मजा आया। सबने अलग अलग चेहरे दर्शाये जैसे गुस्सा करना, रोना, हँसना, मुस्कुराना, इतियादी। पाइप क्लीनर से रंग बिरंगी बाल भी बनायें। बच्चों को इस तरह सिर्फ भावनाएं ही नहीं अपितु चेहरे के अंश भी याद हो गए। सब बच्चों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

इस तरह हर पाठ को क्राफ्ट द्वारा सिखाने की कोशिश करते हैं। हमें आशा है बच्चों को इस तरह सब अच्छे से समझ आएगा और आगे भी हिंदी सिखने में रूचि रखेंगे।
धन्यवाद

कनिष्ठ-२ एडिसन

बबीता भारद्वाज

बच्चो को अगर कुछ सीखना हो तो उनको खेल के माध्यम और क्राफ्ट से सीखना बहुत आसान और मनोरंजक होता है। और बच्चे नई चीजों को सीखने के लिए बहुत ही उत्साह से भाग भी लेते है।

हम खेल खेल में सीखे मैथड : का प्रयोग करते है। सबसे पहले बच्चो को स्वर गीत सुनाए फिर उनको स्वरों के चित्र दिखाए जैसे : अ से अनार आ से आम का चित्र दिखाया फिर स्वर पहचानो खेल खिला कर स्वर बोलो और ताली बजा कर कूदो बोल कर उनका जोश बढ़ाया और जो उन्होंने चित्र बनाये उसमे रंग भरने को बोला। इस प्रकार के खेलों के माध्यम से बच्चे बोलना भी सीखते है और हिंदी सीखने में उनकी रुचि भी बनी रहती है। ऐसा ही हमने अपने एडिसन विद्यालय S२ की कक्षा में देखा जब हमने बच्चो को रंग बिरंगे प्रोजेक्ट्स बनवाये।

स्वर प्रोजेक्ट : स्वरों को सिखाते हुए उनसे स्वरों की माला बनवायी, स्वरों की बस बनाई और रंग बिरंगे पेपर पर लिखते हुए रंग और स्वरो के नाम साथ में सीखे तब सभी बच्चो ने बहुत ही मज़े से माला को पहन कर स्वरो के नाम पढ़े और सुन्दर प्रोजेक्ट तैयार करे।

दशहरा और दीपावली प्रोजेक्ट : इसी प्रकार दिवाली पर भी बच्चो ने त्योहारों के महत्व को सीखते हुए कुण्डील और रावण का प्रोजेक्ट बनाया और असत्य पर सत्य की जीत के संदेश को समझा तथा साहस और सदाचार का पाठ पढ़ा।

धन्यवाद।

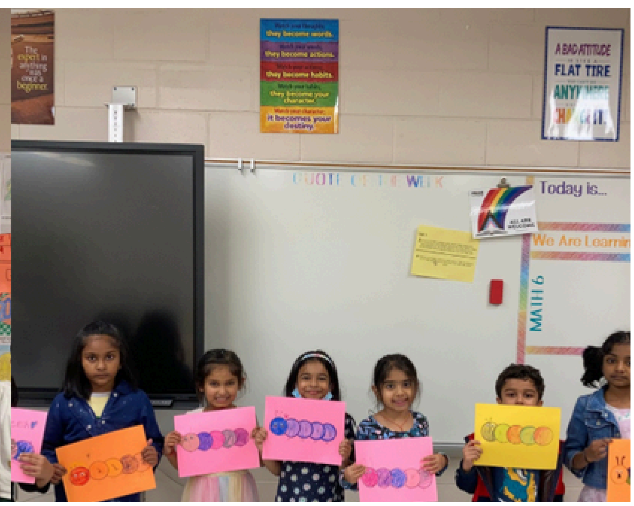

कनिष्ठ-२ चेरी हिल

कक्षा शिक्षिकाएँ - हेमांगी शिंदे, प्रियांका सिंह

शब्दावली परियोजनाएँ

चेरी हिल कनिष्ठ–२ का मूलमंत्र – बीज से वृक्ष तक

चेरी हिल पाठशाला हिंदीUSA की सबसे पहली पाठशाला है। इसलिए हमारी यह कोशिश रहती है कि हम इस पाठशाला की गरिमा को बनाए रखें और विद्यार्थियों को उच्चतम शिक्षा का अनुभव प्रदान करें। कनिष्ठ-२ स्तर में बोया हिन्दी भाषा का बीज उच्चस्तर-२ में पहुंचने तक एक सक्षम वृक्ष बने यही हमारी कामना है। इसी उद्देश्य से हम कनिष्ठ-२ के छात्र-छात्राओं को केवल पुस्तकी पाठ न पढ़ाकर इसे क्रिया-कलाप, परियोजनाएं एवं उत्सव के रूप में ढालकर उनका अनुभव रोचक बनाते हैं और हिन्दी के प्रति इनका रुझान एवं प्रेम को द्विगुणित करने का प्रयास करते रहते हैं।

हिंदीUSA की रजत जयंती के अवसर पर हमारी कक्षा की पिछले कुछ वर्षों की झलकियाँ प्रस्तुत हैं। आशा है आप सभी को इन झलकियों से आनंद प्राप्त होगा।

स्वर-गिनती और शब्द भंडार (रंग, फल-सब्जी, जानवर, शरीर के अंग)

इसके अंतर्गत बच्चों ने इंद्रधनुष, स्वर की इल्ली, घड़ी (अंक-ज्ञान), फल-सब्जी की टोकरी, मेरी स्वस्थ थाली, जानवर की कठपुतलियाँ, शरीर के अंग (कैसे रहे खुश/ नाखुश?) आदि परियोजनाएं बनाई और कक्षा मे बड़े उत्साह के साथ प्रस्तुत की।

Caterpilar

विधि

FRUITS

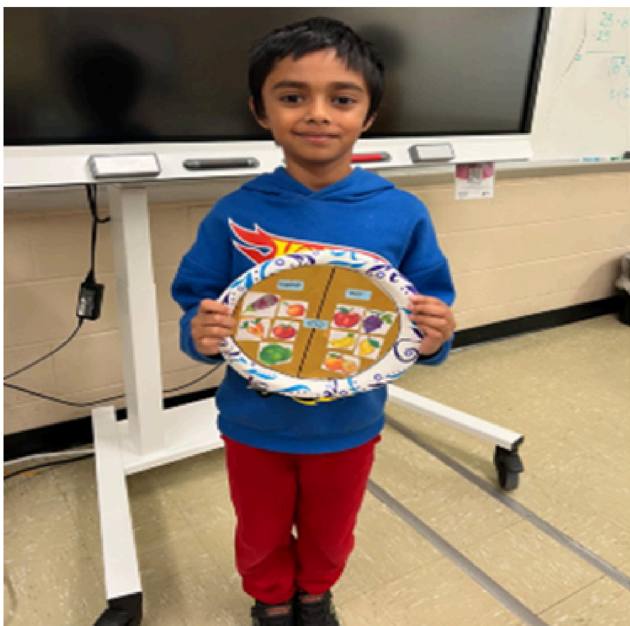

My Healthy Plate
फल और सब्ज़ियाँ

खुश
दुखी
Coca Cola
Sugar

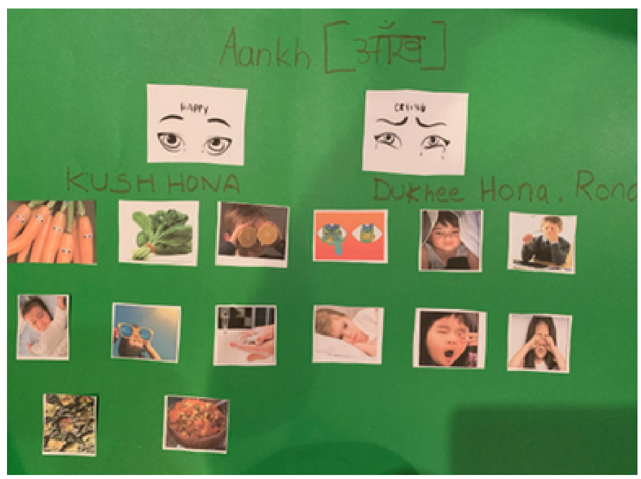
Aankh [आँख]
HAPPY
CRYING
KUSH HONA
Dukhee Hona, Rona

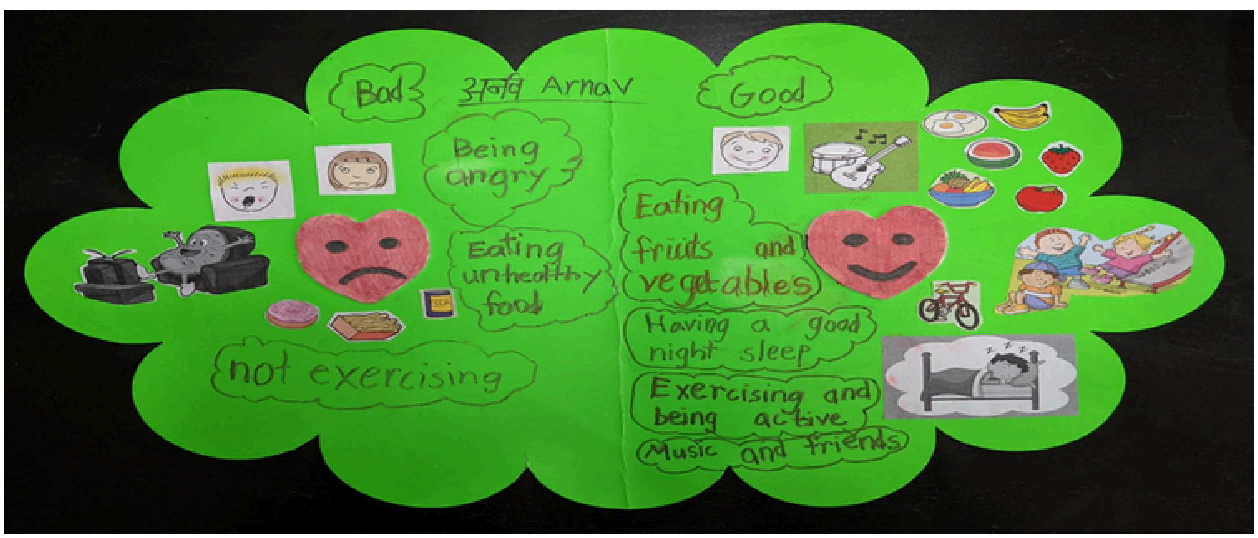
Bad
अर्नव Arnav
Good
Being angry
Eating unhealthy food
not exercising
Eating fruits and vegetables
Having a good night sleep
Exercising and being active
Music and friends

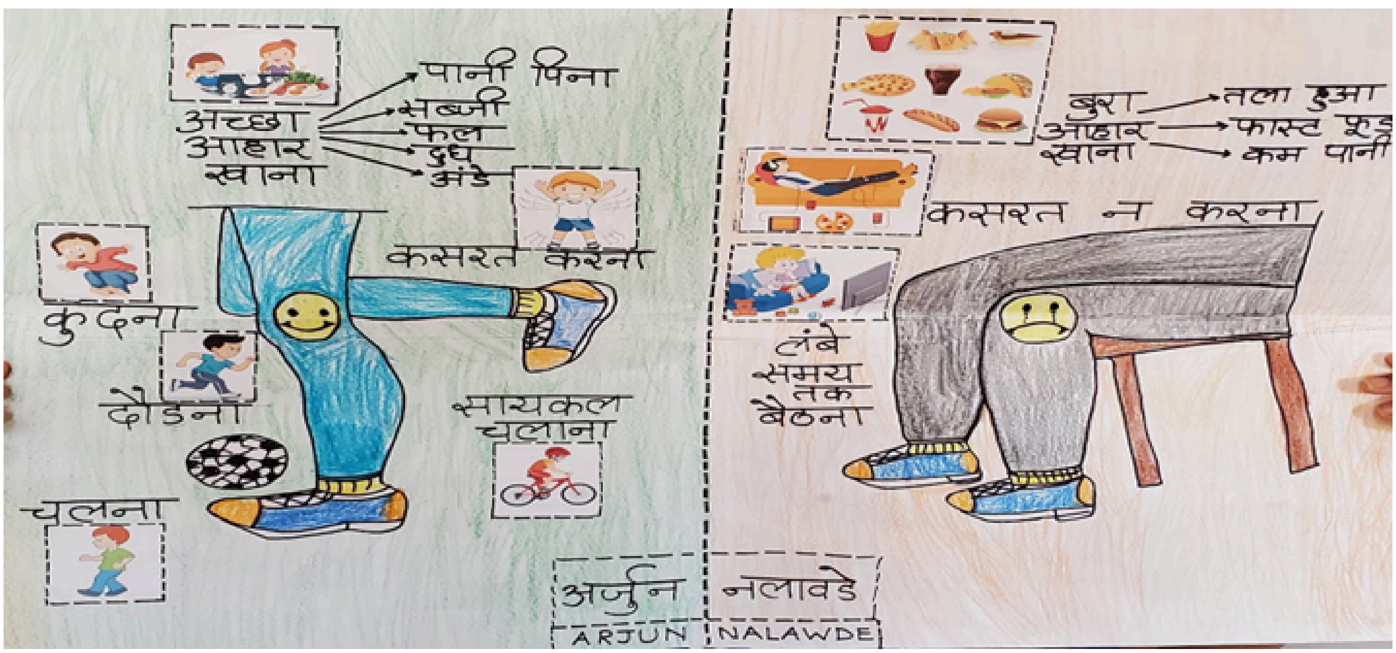

मैं और मेरी पसंद

इस परियोजना के माध्यम से बच्चे पूरे वर्ष का एक सारांश प्रस्तुत करते हैं और हमें उनकी पसंदीदा चीजों से अवगत कराते हैं। यह परियोजना बच्चों के लिए अत्यंत प्रिय होती है, क्योंकि इसमें वे स्वयं को अभिव्यक्त करने का अवसर पाते हैं, जहाँ उनकी रुचियों, भावनाओं और व्यक्तित्व का उत्सव मनाया जाता है।

Mai Aur Meri PASAND
Mera Naam APOORVA H
Mai 7 Saal ki hoon.
Mai Voorhees Mai Rehti hoon
Mai 2nd grade mai hoon.
Mera School E.T Hamilton hain.
Mujc kya Pasand hai?
Rang
Phal
Sabji
Gulabi
hara
Anarnas
Gajar
Paltu Janwar
Jangli Janwar
Tyohar
Diwali
Holi
Shauk
Gaay
Hati
Shen
Chitrakala
Pustak

मैं और मेरी पसंद
Mera naam निहान hai.
Main 6 saal ka hoon.
Main Pennsauken mai rehta hoon.
Meri Pasand
Rang : Neela
Paltu Janwar : Billi
Phal : Tarabooj
Junglee Janwar : Gainda
Sabji : Brokolee
Khel : Futabol

मै और मेरी पसंद
मुझे पसंद है

कनिष्ठ-२ चेरी हिल

कक्षा शिक्षिकाएँ - हेमांगी शिंदे, प्रियांका सिंह

परिवार, त्योहार और परिधानों का उत्सव

"मेरा परिवार" गतिविधि में बच्चों ने अपना परिवार वृक्ष बनाया और परिवार के प्रत्येक सदस्य के बारे में सरल वाक्यों में बोलने का अभ्यास किया। इस गतिविधि ने उनके भाषा–कौशल को सुदृढ़ किया और परिवार के महत्व को उनके हृदय से जोड़ दिया।

मेरा परिवार :: वंश-वृक्ष

भारतीय संस्कृति से बच्चों को जोड़ने के लिए हमने कक्षा में गणेशोत्सव, दीवाली, दशहरा, होली, नवरात्रि, गणतंत्र दिवस जैसे प्रमुख भारतीय त्योहारों की कहानियाँ सुनायी। साथ ही चित्रों और क्रिया-कलापों के माध्यम से बच्चों ने इन त्योहारों के महत्व को समझा।

इन उत्सवों के माध्यम से बच्चों ने प्रेम, अच्छाई की जीत, एकता और सहयोग जैसे मूल्यों को आत्मसात किया एवं अपनी परंपराओं के प्रति गर्व का अनुभव किया ।

शुभ
दीपावली

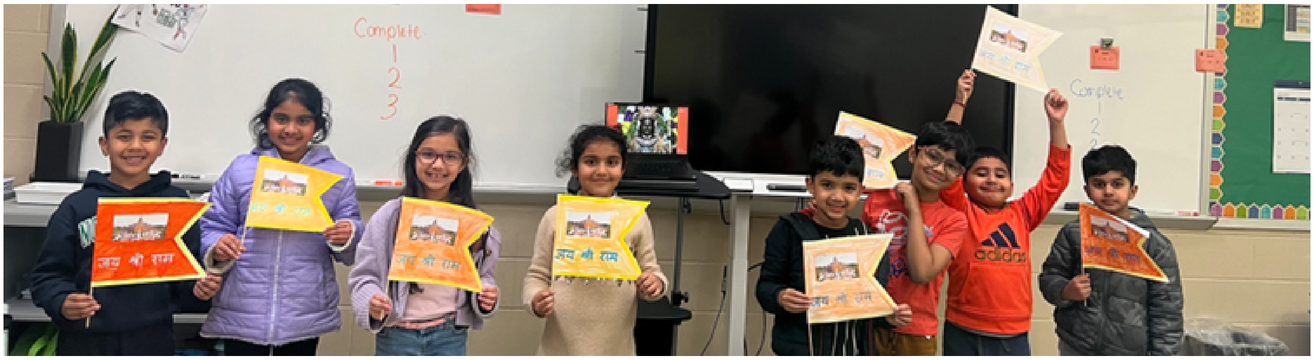
Complete
1
2
3
जय श्री राम

IS YOURS WORTH CAT

"भारतीय परिधान" परियोजना में बच्चों ने साड़ी, लहंगा, कुर्ता-पायजामा जैसे पारंपरिक वस्त्रों के बारे में सीखा। इस गतिविधि ने उन्हें भारतीय संस्कृति की विविधता और सुंदरता का परिचय दिया और अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने का मौका दिया।

कक्षा शिक्षिकाओं का परिचय

हेमांगी शिंदे – मैं ११ वर्षों से हिन्दीUSA के कनिष्ठ–२ स्तर में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हूँ। अमेरीका में पली-बढ़ी बच्चों की नई पीढ़ियों को हिन्दी भाषा और भारतीय संस्कृति से जोड़े रखने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहती हूँ।

प्रियांका सिंह – मैं २ वर्षों से कनिष्ठ–२ के बच्चों को पढ़ा रही हूँ। बच्चों के लिए हिन्दी पाठ्यक्रम को सरल, रोचक और आनंददायक रूप से सीखने का अनुभव सुनिश्चित करती हूँ।

कनिष्ठ-२ चेस्टरफ़ील्ड

आप सब को मेरा प्यार भरा नमस्कार। मैं मधु राजपाल कनिष्ठा २ के बच्चो को पिछले ३ साल से चेस्टरफ़ील्ड पाठशाला में पढ़ा रही हूँ। मैं HindiUSA से पिछले १५ सालो से जुडी हुई हूँ।

कनिष्ठा २ के बच्चे ,जो आमतौर पर 5–6 साल के होते हैं, ऊर्जा से भरपूर,होते है। ये बच्चे अक्सर कल्पनाशील, उत्साही होते हैं और यह जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि चीजें 'कैसे' और 'क्यों' काम करती हैं। देखा जाये तो, कनिष्ठा २ से हिंदी की नीव को मजबूत करने का यह महत्वपूर्ण सत्र है ।

कनिष्ठा २ के बच्चो को खेल-कूद के माध्यम से आसानी के बहुत कुछ सिखया जा सकता है हमने अपनी कक्षा में कुछ परियोजनाओं के माध्यम से त्योहारों, का परिचय कराया है जिससे उन्हें हम अपनी संस्कृति से जोड़ने का प्रयास करते है, आशा है आप सब को बच्चों की मेहनत देख कर बहुत अच्छा लगेगा।

आशा करते है की ऐसे ही बच्चे HindiUSA से जुड़े रहे और भारत का एवं अपने माता-पिता का नाम रोशन करते रहे। धन्यवाद्🙏

TUESDAY

Wednesday
Thursday
Friday
Saturday
TUESDAY
THURSDAY

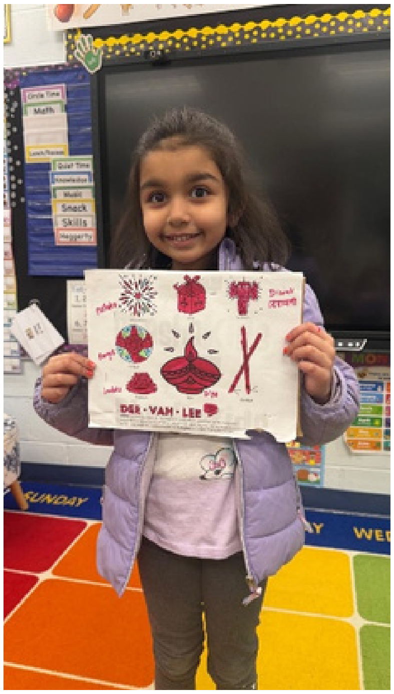

10:00 ~ Guest Teacher
SUNDAY
TUESDAY
THURSDAY

कनिष्ठ-२ पिस्काटावे

शिक्षकों का परिचय

प्रतिभा कपिल जी एक ऊर्जावान और प्रेरणादायक शिक्षिका हैं, जो बिल्कुल शुरुआती स्तर के बच्चों को सरल, रोचक और आत्मविश्वास से भरपूर तरीके से हिंदी सिखाती हैं। उनका धैर्य और स्नेह बच्चों को नई भाषा सीखने के लिए उत्साहित करता है।सोनम लाखोटिया जी समर्पण और उत्साह की मिसाल हैं, जो उन नन्हे शिक्षार्थियों को भी सहजता से हिंदी सिखाती हैं जिन्होंने पहले कभी हिंदी नहीं बोली। उनका सकारात्मक दृष्टिकोण और मुस्कान सीखने को आनंदमय अनुभव बना देता है।

भारत की पोशाकें

हमने हिंदी स्कूल में "भारत की पोशाकें" विषय पर एक सुंदर प्रोजेक्ट तैयार किया। इस प्रोजेक्ट के माध्यम से हमने भारत के विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा और उनकी सांस्कृतिक विशेषताओं के बारे में सीखा। यह अनुभव हमारे लिए ज्ञानवर्धक और रोचक रहा।

फलों की टोकरी

हमारे विद्यालय में फल विषय पर एक सुंदर प्रोजेक्ट तैयार किया गया। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य बच्चों को फलों के महत्व और उनके पोषक गुणों के बारे में जानकारी देना था। शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें विभिन्न फलों के नाम, रंग और लाभ समझाए।

बच्चों ने बड़े उत्साह से फल की टोकरी बनाकर, चित्र चिपकाकर और रंग भरकर अपना प्रोजेक्ट तैयार किया। इस गतिविधि से विद्यार्थियों की रचनात्मकता बढ़ी और उन्हें सीखने का आनंद भी मिला। इस प्रोजेक्ट के माध्यम से बच्चों ने स्वस्थ आहार का महत्व समझा और मिलकर कार्य करने की भावना विकसित की।

दशहरा और दीपावली – विद्यालय परियोजना एवं उत्सव समारोह

हमारे विद्यालय में भारतीय त्योहार **दशहरा** और **दीपावली** पर एक सुंदर प्रोजेक्ट एवं विशेष गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन त्योहारों का उद्देश्य बुराई पर अच्छाई की विजय और प्रकाश का महत्व समझाना है।

दशहरा के अवसर पर विद्यार्थियों को भगवान श्रीराम की विजय गाथा के बारे में बताया गया। बच्चों ने रंगीन रावण का मॉडल चार्ट बनाकर प्रोजेक्ट तैयार किया। इससे उन्हें सत्य, साहस और सदाचार का संदेश मिला।

दीपावली के अवसर पर कक्षा में दीयों की सजावट, विद्यार्थियों ने दीपावली का महत्व समझा कि यह अंधकार पर प्रकाश और निराशा पर आशा की जीत का प्रतीक है।
इन परियोजनाओं के माध्यम से बच्चों ने न केवल हमारे भारतीय त्योहारों की परंपराओं को जाना, बल्कि रचनात्मकता, सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों को भी सीखा। विद्यालय का वातावरण उत्साह, आनंद और रोशनी से भर गया।

कनिष्ठ-२ साउथ ब्रुंस्विक

नमस्ते।

हम, ऋषि ठक्कर और आन्या मनकीवाला, **HindiUSA** में युवा स्वयंसेवक हैं और हमें छोटे छात्रों को हिंदी भाषा सिखाने में बहुत रुचि है। पूरे वर्ष के दौरान हमने छात्रों को कई विषय सिखाए हैं, जैसे स्वर, संख्या, जानवर, रंग, ऋतुएँ, शरीर के अंग, फल, सब्ज़ियाँ और अन्य कई बातें। विभिन्न पाठों, गतिविधियों और अभ्यास के माध्यम से हमने सीखने को रोचक और आनंददायक बनाने का प्रयास किया है। हम अक्सर छात्रों को उनकी याददाश्त मज़बूत करने के लिए खेलों के माध्यम से सामग्री सीखने में मदद करते हैं। छात्रों के बीच एक पसंदीदा खेल हिंदी पिक्शनरी है, जिसमें छात्र कक्षा में सीखी गई चीज़ों, जैसे भोजन या जानवरों, की तस्वीरें बनाते हैं और फिर अन्य छात्रों को अनुमान लगाना होता है कि उन्होंने क्या बनाया है। हमें विश्वास है कि सहभागितापूर्ण इंटरैक्टिव) सीखने से कक्षा में सीखी गई चीज़ों को बेहतर ढंग से याद रखने में मदद मिलती है।युवा स्वयंसेवकों के रूप में हमने स्वयं भी बहुत कुछ सीखा है। इस अनुभव ने हमें यह समझने में मदद की है कि शिक्षा कितनी मूल्यवान है और समुदाय में उसका कितना महत्व है। हमें **HindiUSA** में स्वयंसेवा करने और दूसरों को सीखने में सहायता करने का अवसर पाकर बहुत खुशी हुई है।

धन्यवाद।

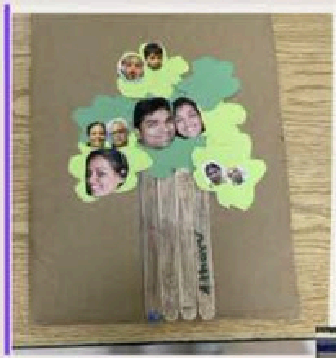

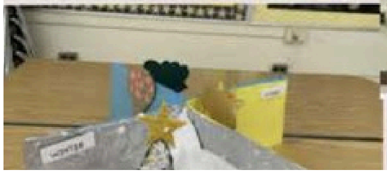

प्रथमा-१

Beginners I

(B-1)

प्रथमा-१

वुडब्रिज हिन्दी स्कूल (कक्षा 2) – गतिविधि: “मेरे रंग-बिरंगे कपड़े”

हमारी कक्षा 2 के बच्चों ने “मेरे रंग-बिरंगे कपड़े” गतिविधि में बहुत उत्साह के साथ भाग लिया। बच्चों ने कागज़ की गुड़िया/कट-आउट बनाकर उन्हें भारत के अलग-अलग पारंपरिक परिधानों में सजाया—जैसे साड़ी, सलवार-कमीज़, कुर्ता-पायजामा, पगड़ी और लहंगा-चोली। रंगीन कागज़, कपड़े के टुकड़े, रिबन और सजावटी सामग्री का उपयोग करके बच्चों ने अपनी कल्पना और रचनात्मकता दिखाई। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों ने रंगों के नाम, कपड़ों के नाम, और हमारी संस्कृति की विविधता को मज़ेदार तरीके से सीखा।

गतिविधि की झलक

कक्षा की सामूहिक तस्वीर

सीखने के उद्देश्य (Learning Outcomes):

रंगों और कपड़ों से जुड़े हिन्दी शब्दों का अभ्यास
भारतीय पारंपरिक वेशभूषा की पहचान
रचनात्मकता, कटिंग-पेस्टिंग और प्रस्तुति कौशल का विकास
“मेरा/मेरी”, “रंग-बिरंगा”, “सुंदर/सुंदरी” जैसे शब्दों का सही प्रयोग

बच्चों का संदेश:
“मेरे कपड़े रंग-बिरंगे हैं, इसलिए मेरा दिन और भी खुशियों से भर जाता है!” 🌈👗🧵

🙏 धन्यवाद! 🌼 — मिनल पटेल / चेसिका मोहन

प्रथमा-१ वुडब्रिज हिंदी पाठशाला • कक्षा दो

दीपावली सजावट गतिविधि

🌸 नमस्ते

😊 मेरा नाम मिनल पटेल है। मैं वुडब्रिज पाठशाला में कक्षा दो की पिछले दो वर्षों से अध्यापिका हूँ। 🤝 इस वर्ष मेरे साथ सह-अध्यापिका चेसिका मोहन भी कार्य कर रही हैं।
📚 इस वर्ष हमारी कक्षा ने कई रोचक गतिविधियों पर कार्य किया। आज हम — ✨ "दीपावली पर आपने अपने कमरे और घर को कैसे सजाया" ✨ — का अनुभव साझा कर रहे हैं।
🧹 सफाई और तैयारी: बच्चों ने बताया कि उन्होंने अपने कमरे और घर की सफाई की और त्योहार के लिए तैयारी की।
🪔 सजावट की झलक:• दीये और मोमबत्तियाँ• झालर• रंगोली• फूलों की सजावट• तोरण• शुभ-लाभ व स्वस्तिक

👨‍👩‍👧‍👦 परिवार के साथ: कई बच्चों ने परिवार के साथ मिलकर सजावट की, जिससे सहयोग, पारिवारिक जुड़ाव और उत्सव की खुशी बढ़ी।
🖍️ प्रस्तुति: बच्चों ने रचनात्मकता और ध्यानपूर्वक अवलोकन के साथ अपने अनुभव स्पष्ट शब्दों में बताए और चित्र/ड्रॉइंग/क्राफ्ट (जहाँ संभव हो फोटो) द्वारा साझा किए।
🏆 गर्व का क्षण: मुझे अपने छात्रों के प्रयास पर गर्व है, क्योंकि उनके काम में संगठन, अनुसंधान और सुंदर रूप से विचार प्रस्तुत करने की क्षमता दिखाई दी।
✨ संदेश: बच्चों के कार्य ने यह दर्शाया कि दीपावली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि "दिल से दिल के ज्योत जलाने" का त्योहार है।
🚀 सीख और विकास: इस गतिविधि से बच्चों को दल-कार्य, रचनात्मक सोच और संवाद कौशल बढ़ाने का अवसर मिला।

🙏 धन्यवाद!🌼 — मिनल पटेल / चेसिका मोहन

प्रथमा-१ ऐशबर्न

एक नई शुरुआत, एक नया संकल्प

हमने **ऐशबर्न हिंदी पाठशाला** की शुरुआत की, जो **वर्जीनिया** में पहला इन-पर्सन HindiUSA स्कूल था। यह पहला हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति को स्थानीय समुदाय तक पहुँचाने का एक अनूठा प्रयास थी। इस कदम के साथ हमने न केवल बच्चों को भाषा सिखाने का अवसर दिया, बल्कि उन्हें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का भी प्रयास किया।

इस पहल की प्रेरणा मुझे मेरी दूर की पारिवारिक सदस्य **श्रीमती मीनाक्षी सिंह** से मिली। उनके प्रोत्साहन और मार्गदर्शन ने मुझे अपने क्षेत्र में **HindiUSA** से संबद्ध एक विद्यालय खोलने के लिए प्रेरित किया। उनके विश्वास ने इस सपने को साकार करने का साहस दिया।

यह विद्यालय **वर्जीनिया** में स्थापित होने वाला पहला इन-पर्सन HindiUSA स्कूल बना। यद्यपि क्षेत्र में पहले से कई हिंदी विद्यालय संचालित हो रहे थे, फिर भी HindiUSA के प्रत्यक्ष शिक्षण मॉडल के साथ शुरुआत करना एक नई और चुनौतीपूर्ण पहल थी। छात्रों और शिक्षकों को जोड़ना आसान नहीं था, क्योंकि पहले से स्थापित संस्थानों के बीच अपनी पहचान बनाना समय और प्रयास मांगता है।

हमने अपने पहले शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत 14 विद्यार्थियों के साथ की—5 छात्र कनिष्ठ *1* स्तर पर और 9 छात्र प्रथम *1* स्तर पर। दो स्तरों के साथ यह छोटी लेकिन उत्साहपूर्ण शुरुआत थी।

विद्यालय के बारे में समुदाय को अवगत कराने के लिए हमने स्थानीय पुस्तकालय में ओपन हाउस आयोजित किए। सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी साझा की गई और भारतीय किराना दुकानों में फ्लायर्स लगाकर लोगों तक पहुँच बनाई गई। इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिला और धीरे-धीरे अभिभावकों का विश्वास बढ़ने लगा।

वर्तमान में हम अपने पहले वर्ष में हैं, लेकिन हमारी शुरुआत के बाद से ही कई अभिभावकों ने हमसे संपर्क किया है और अगले शैक्षणिक वर्ष के लिए अपने बच्चों का नामांकन कराने में रुचि दिखाई है। यह हमारे प्रयासों और समुदाय के सहयोग का प्रमाण है।

विद्यालय में हमने बच्चों के साथ दीपावली, केपीपी (KPP) तथा अन्य भारतीय त्योहारों को उत्साहपूर्वक मनाया। इन आयोजनों के माध्यम से बच्चों को केवल भाषा ही नहीं, बल्कि भारतीय परंपराओं, मूल्यों और सांस्कृतिक विरासत से भी परिचित कराया गया।

मैं विशेष रूप से Rachita जी की आभारी हूँ, जिनके मार्गदर्शन और समर्थन से मुझे HindiUSA परिवार का हिस्सा बनने का अवसर मिला। उनका सहयोग इस यात्रा में अमूल्य रहा है।

ऐशबर्न हिंदी पाठशाला की यह यात्रा अभी प्रारंभ हुई है, लेकिन हमारा विश्वास है कि आने वाले वर्षों में यह प्रयास और भी अधिक बच्चों को हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति से जोड़ने में सफल होगा।

शुभ
लाभ

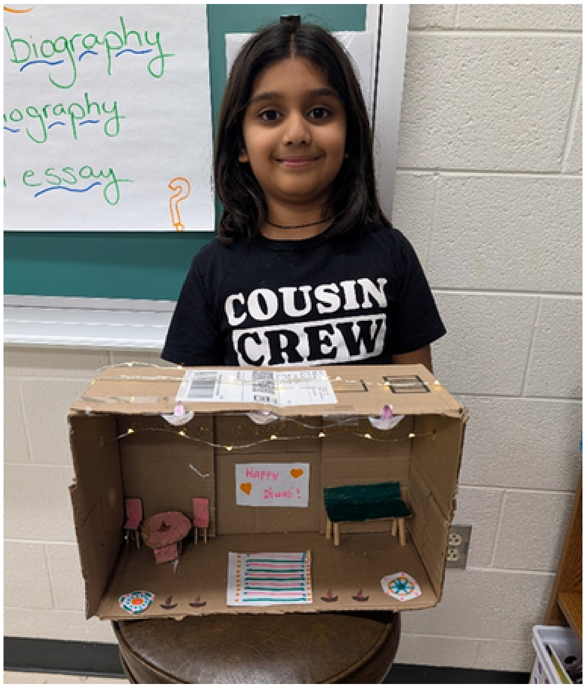
biography
essay
COUSIN CREW
Happy Diwali!

वेस्ट विंडसर प्लेंसबोरो (प्रथमा – १ B)

गतिविधि - स्वर एवं व्यंजन प्रोजेक्ट

बच्चों द्वारा स्कूल प्रोजेक्ट्स बनाना न केवल उनकी रचनात्मकता को बढ़ाता है, बल्कि यह विषयों को सीखने सिखाने का एक रोचक तरीका भी है।
इसी विचार के अंतर्गत प्रथमा १ बी, WWP हिंदी यूएसए की अध्यापिकाओं ने हिंदी भाषा को रंग-बिरंगे चार्टस के प्रोजेक्टस द्वारा बच्चों को अक्षरों और संख्याओं की दुनिया से जोड़ दिया।

हिंदी स्वर (Hindi Vowels Chart) :
स्वर (अ, आ, इ, ई...) हिंदी भाषा की नींव हैं।
इसे आसानी ये याद रखने के लिए बच्चों ने एक स्वर चार्ट बनाया।

हिंदी व्यंजन (Hindi Alphabet Chart) :
क, ख, ग, घ को याद करना बच्चों के लिए ना सिर्फ़ उबाऊ बल्कि थोड़ा कठिन भी हो सकता है।बच्चों ने इसे एक रचनात्मक चार्ट बना कर समझने का प्रयास किया है।

हिंदी गिनती (Hindi Numbers Chart) :
अंग्रेजी के अंकों (1, 2, 3) के साथ-साथ हिंदी के अंकों (१, २, ३) को समझना भी बहुत जरूरी है।
बच्चों ने अंकों का चार्ट बना कर हिंदी की गिनती कंठस्थ की।

इन प्रोजेक्ट्स ने बच्चों की हिंदी भाषा में रुचि और उनका हिंदी लेखन के प्रति आत्मविश्वास बढ़ाया।
इन प्रोजेक्ट्स की विशेषता ये भी है की बच्चे इसे अपने कमरे में पोस्टर की तरह लगा सकते हैं , जिससे उठते बैठते उनकी नज़र इनपर पड़े और हिंदी स्वर, व्यंजन और गिनती उनके मन मस्तिष्क पर चित्रित हो जाए।

इससे इनकी हिंदी भाषा की नींव पक्की होगी जिससे अगले स्तरों में उनकी पढ़ाई आसान होगी।

-*अणिमा जौहरी, रीना त्रिवेदी*
(प्रथम १ बी , WWP हिंदी यूएसए)

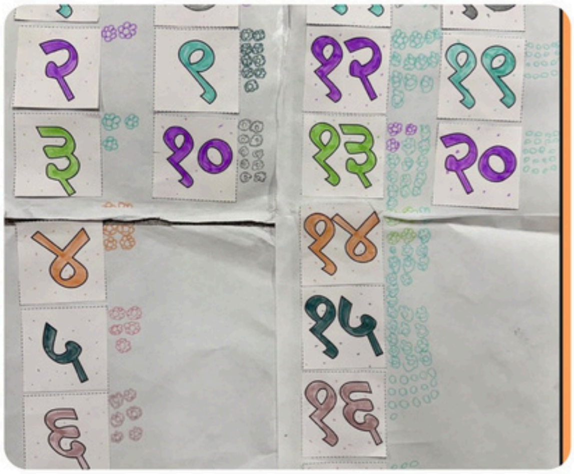

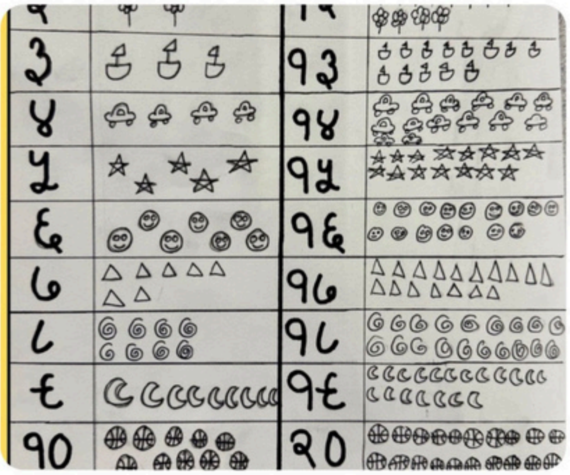

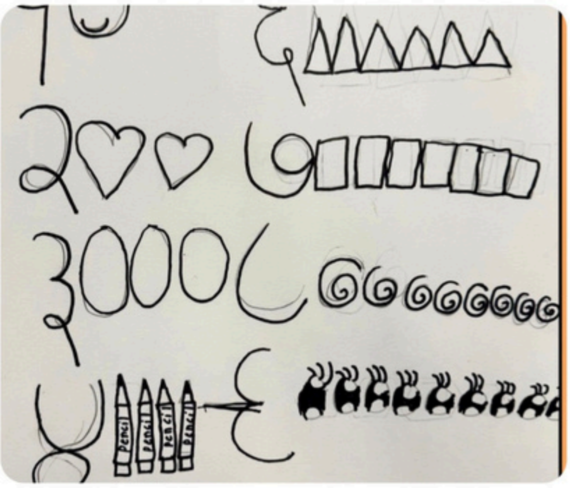

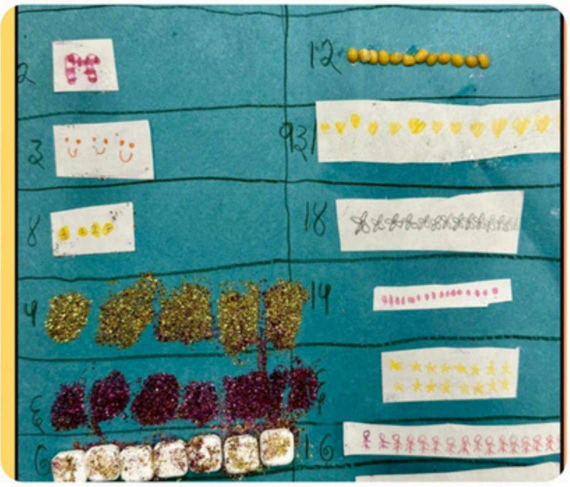

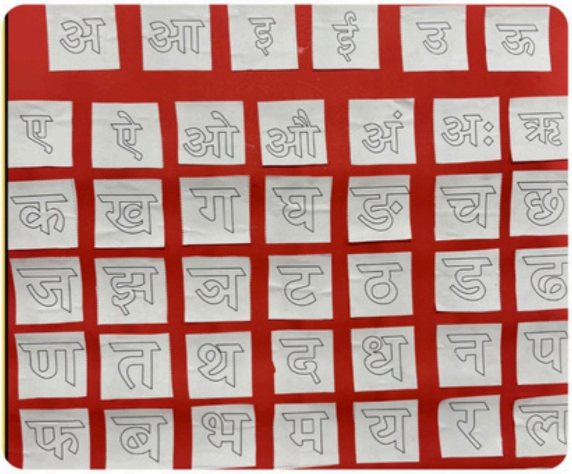

वेस्ट विंडसर प्लेंसबोरो (प्रथमा – १ A)

गतिविधि - स्वर एवं व्यंजन प्रोजेक्ट

नन्हे बच्चों के लिए भाषा सीखना तब सबसे प्रभावशाली होता है, जब वह किताबों से निकलकर उनके हाथों, रंगों और कल्पनाओं में उतर आए। प्रथमा–1 की हिंदी कक्षा में इसी सोच के साथ बच्चों को हिंदी स्वर एवं व्यंजनों से परिचित कराने के लिए रचनात्मक प्रोजेक्ट गतिविधियों का आयोजन किया गया।

बच्चों ने अपनेअपने तरीके से सभी अक्षरों को रंगीन चार्ट्स पर सजाया। किसी ने स्वर एवं व्यंजनों को पेड़ की शाखाओं पर उकेरा, तो किसी ने उन्हें चरखे के रूप में प्रस्तुत किया। हर चार्ट अपनेआप में अनोखा था, कहीं अक्षरों के साथ चित्र जुड़े थे, तो कहीं रंग और आकार बच्चों की कल्पना की उड़ान दिखा रहे थे।

इन प्रोजेक्ट्स के माध्यम से जो अक्षर पहले बच्चों को कठिन लगते थे, वे अब उनके लिए खेलनेसीखने का माध्यम बन गए। बच्चों ने न केवल स्वर एवं व्यंजनों की पहचान की, बल्कि उन्हें सही क्रम में लगाना, सजाना और समझाना भी सीखा। कक्षा में जब बच्चों ने अपने बनाए चार्ट्स प्रस्तुत किए, तो उनके चेहरे पर आत्मविश्वास और गर्व साफ़ दिखाई दे रहा था।

इस तरह के रचनात्मक प्रोजेक्ट्स ने बच्चों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाई है और उनके सीखने के अनुभव को आनंदमय बनाया है। यही मजबूत और सकारात्मक शुरुआत आगे की कक्षाओं में उनके हिंदी अध्ययन को सरल, आत्मविश्वासी और प्रभावी बनाएगी।

शिक्षिका,

सपना शर्मा एवं वर्षा श्रीवास्तव
(प्रथम १ A , WWP हिंदी यूएसए)

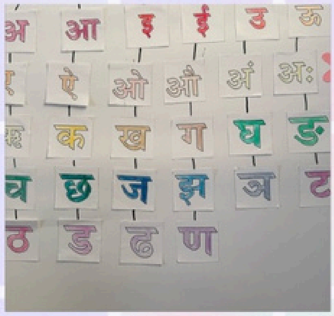

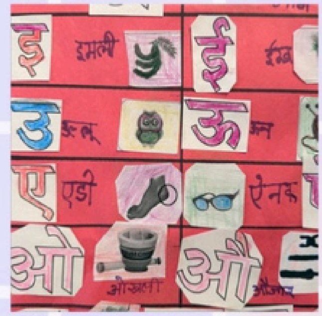

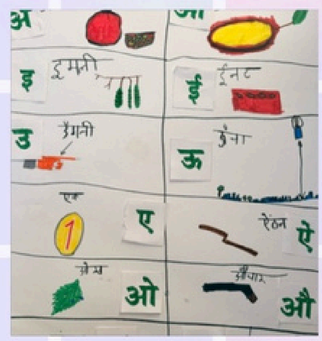

HINDIUSA
WWP B1
SEC-1

प्रथमा-१ साउथ ब्रुंस्विक

शिल्पी गुप्ता (Shilpi Gupta)
पूनम कावले(Poonam Kavle)

नन्हे हाथ और बड़ी रचना! बेकार डिब्बों और सजावट के सामान से बच्चों ने बनाई अपनी छोटी सी दिवाली।

हमारे नन्हे कलाकारों ने गत्ते और कागज़ से सुंदर भारतीय गुड़िया बनाई।परंपरा और रचनात्मकता का मेल। इनकी कलाकारी देखकर मन खुश हो गया।

प्रथमा-१ एडिसन B-1

नमस्ते, मेरा नाम आरव मिश्रा है, और मैं पूजा जी और सुमेधा जी के असिस्टेंट टीचर हूँ। मैं जॉन एडम्स मिडिल स्कूल में एडिसन स्कूल में B-1 क्लास का हिस्सा हूँ। इस वर्ष हमारी कक्षा ने कई रोचक परियोजनाओं पर कार्य किया है, जिन्हें आप सभी के साथ साझा करते हुए मुझे खुशी हो रही है।

प्रसिद्ध भारतीय व्यक्तित्व परियोजना

इस परियोजना में छात्रों ने भारत के महान व्यक्तित्वों का अध्ययन किया। चाणक्य के जीवन और उनकी शिक्षाओं को तथा लता मंगेशकर जी के संगीत और उनकी विरासत को छात्रों ने बड़े उत्साह से प्रस्तुत किया। इस परियोजना ने छात्रों को भारतीय इतिहास और संस्कृति से जोड़ा।

भारत के विभिन्न राज्य परियोजना

छात्रों ने राजस्थान, केरल, पंजाब और महाराष्ट्र जैसे राज्यों की संस्कृति, भाषा और परंपराओं का अध्ययन किया। इस परियोजना से उन्हें भारत की विविधता में एकता का संदेश समझ में आया।

दीवाली की परंपराएँ परियोजना

छात्रों ने दीवाली से जुड़ी परंपराओं जैसे दीये जलाना, रंगोली बनाना और लक्ष्मी पूजन का अध्ययन किया। उन्होंने यह भी जाना कि दीवाली भारत के अलग-अलग राज्यों में किस प्रकार मनाई जाती है।

इन परियोजनाओं के अलावा, हमारे छात्रों ने अनेक छोटी परियोजनाओं पर भी मेहनत से कार्य किया है। मुझे गर्व है कि मैं उनके इस परिश्रम को यहाँ प्रदर्शित कर सकता हूँ।

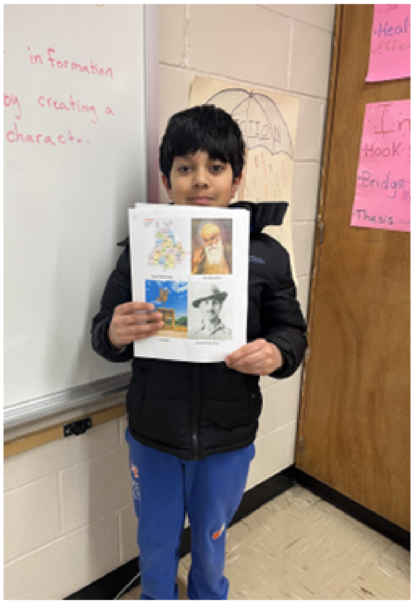
Hook
Bridge
Thesis

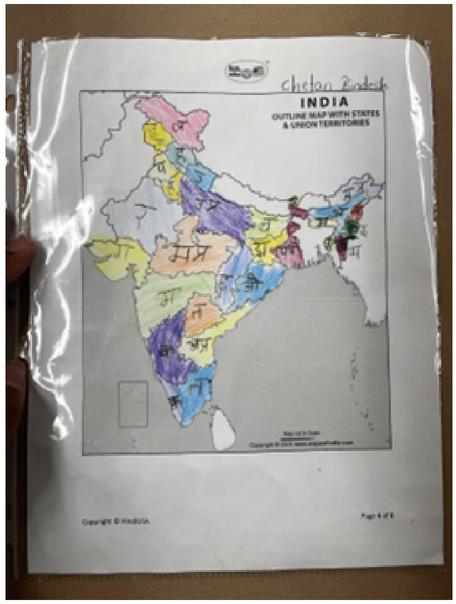
INDIA
OUTLINE MAP WITH STATES & UNION TERRITORIES

Allusions

ZASSI RANI LAXMI BAI
RANI LAXMI BAI
Chamak Uthi San Sattvan Mye
Vah Talwar Purani Thi
Khub Ladi Mardani Vah Tya
Zassi Vali Rani Thi

HAPPY DIWALI

शुभ दिवाली
आव्या

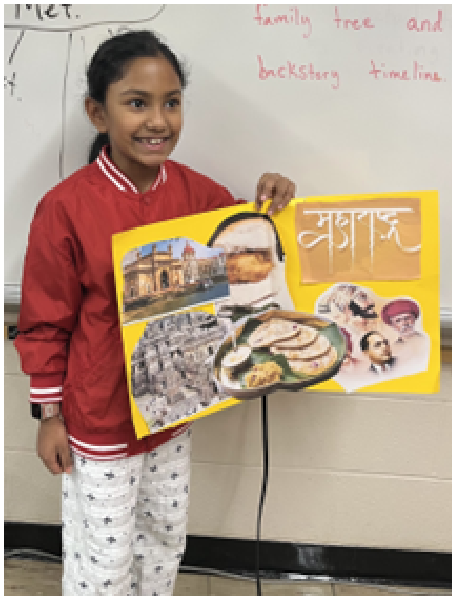
family tree and
backstory timeline
महाराष्ट्र

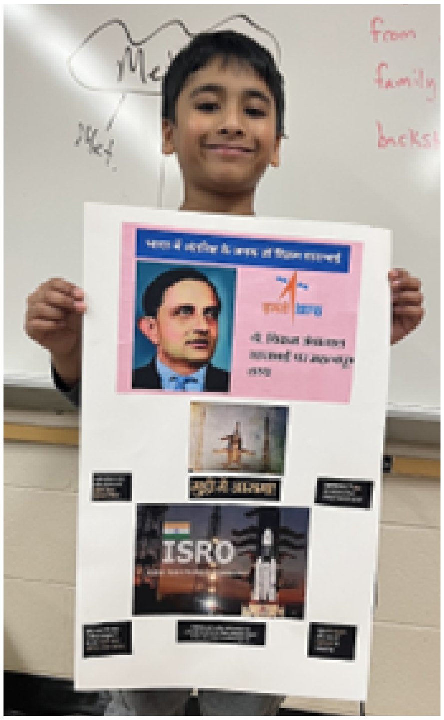
From
family
ISRO

बिहार

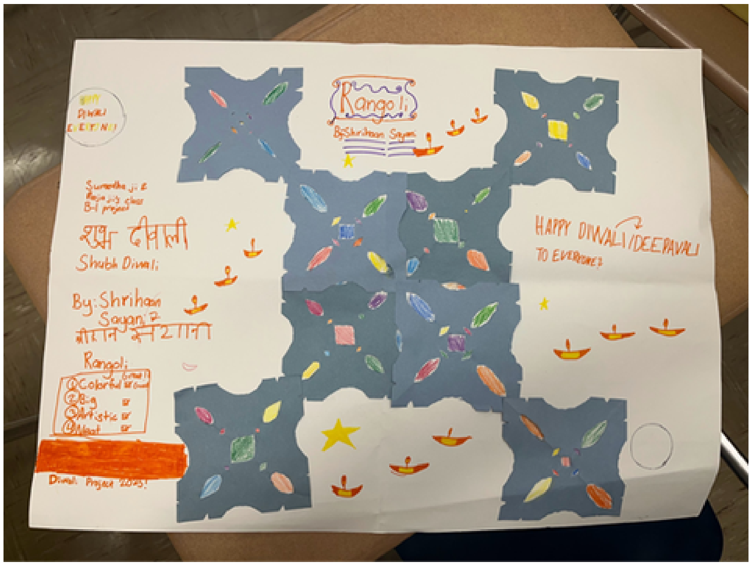
Rangoli
HAPPY DIWALI/DEEPAVALI
TO EVERYONE!
शुभ दीवाली
Shubh Diwali
By: Shrihan Sayani
Rangoli:

प्रथमा-१ ईस्ट ब्रंसविक

सभी को मेरा हार्दिक नमस्कार।

मैं रितु सिन्हा हूँ। हिंदी यूएसए ईस्ट ब्रंसविक की हिंदी विषय की शिक्षिका होने के नाते मैं पिछले ३ वर्षों से छात्र-छात्राओं को हिंदी भाषा की सुंदरता, व्याकरण और संस्कृति से परिचित करा रही हूँ।

मेरा उद्देश्य केवल परीक्षा पास कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति रुचि जगाना और उन्हें आत्मविश्वास के साथ अभिव्यक्त करना सिखाना है।

विद्यार्थियों के प्रयास और उनकी उपलब्धियों के कुछ उदाहरण यहाँ प्रस्तुत कर रही हूँ:

प्रथमा-१ ऑनलाइन पाठशाला

“अक्षरों की दुनिया में ChatGPT और रंग-बिरंगे चित्र”

अध्यापिकाएँ - मोनिका गुप्ता एवं प्रीति गोरया
युवा स्वयंसेवक - गौरी श्रीवास्तव एवं पवक पटेल
(प्रथमा-१C, ऑनलाइन पाठशाला, हिंदी यू.एस.ए.)

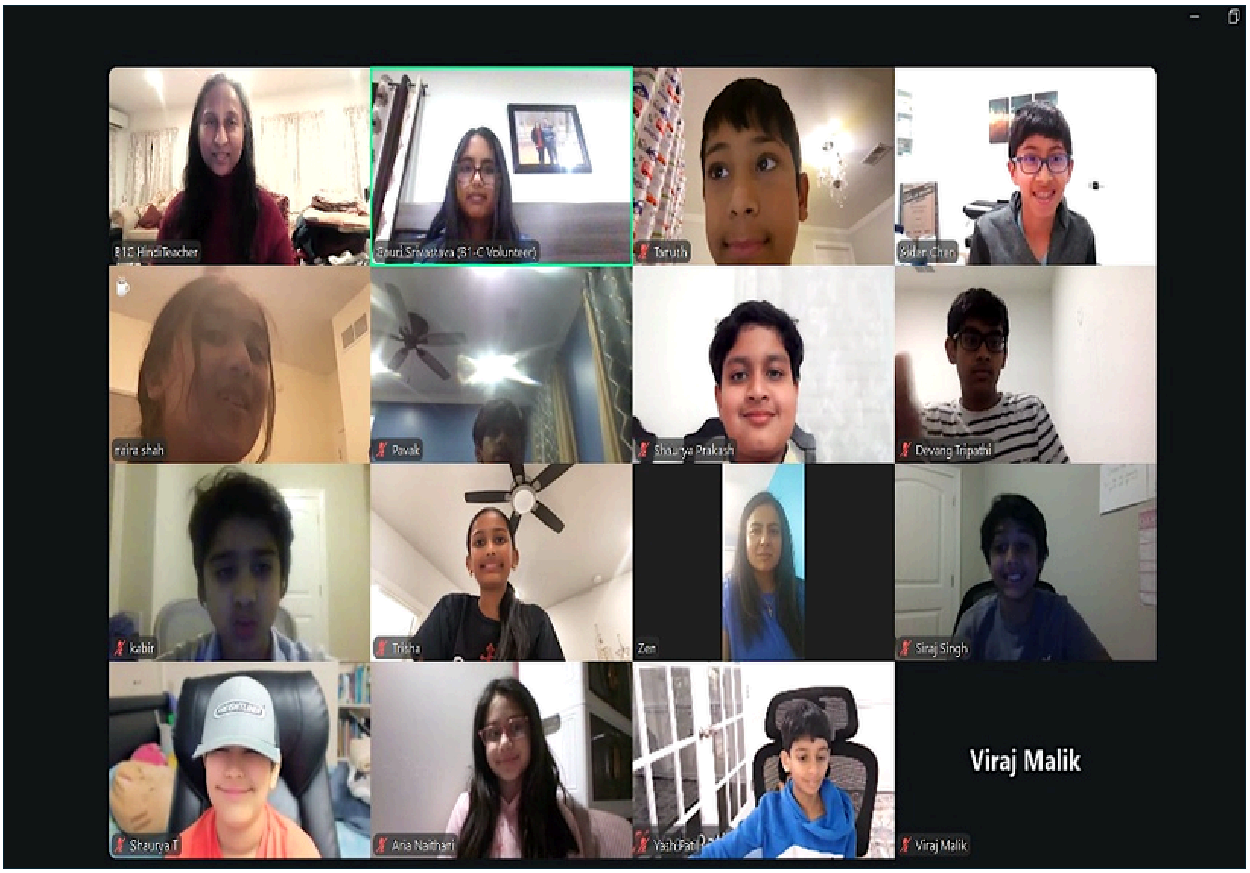

बच्चों के लिए वर्णमाला सीखना भाषा सीखने का पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम है। कई बार केवल अक्षरों को बार-बार दोहराने से छोटे बच्चे जल्दी ऊब जाते हैं या उन्हें अक्षर याद नहीं रहते। ऐसे में सीखने की प्रक्रिया को चित्र रोचक, सरल और प्रभावी बना देते हैं।

हमारे छात्रों ने अक्षर से शुरू होने वाले शब्दों के छोटे-छोटे और मज़ेदार वाक्य बनाए। इस कक्षा में छात्रों को स्वयं वाक्य लिखने का ज्ञान नहीं है, इसलिए उन वाक्यों को हिन्दी में हम शिक्षिकाओं ने लिखा है। फिर विद्यार्थियों ने ChatGPT से अपने वाक्य को एक सुंदर चित्र का रूप दिया।
अक्षरों का आकार बच्चों ने बड़े अनोखे ढंग से बनाया। उन्होंने खिलौने, फल, अनाज और अन्य वस्तुओं का उपयोग करके अक्षरों की सुंदर और स्पष्ट रूपरेखा तैयार की। इस गतिविधि के माध्यम से उनके लिए अक्षरों को सीखना रोचक और आनंददायक बन गया।

शौर्य सिंह ठकुराला – "अजगर ने अदरक, अनार, और अनन्नास को देखा और भागने लगा।"

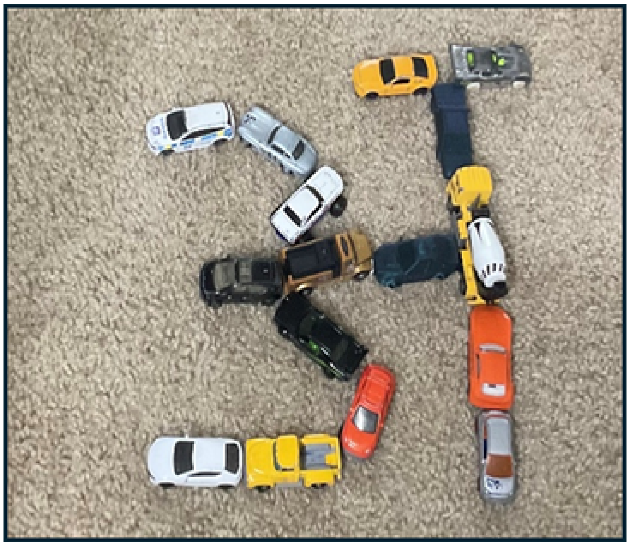

आरिया नैथानी – "खटमल और खरगोश खरबूजा खा रहे हैं और खिड़की को देख रहे हैं।"

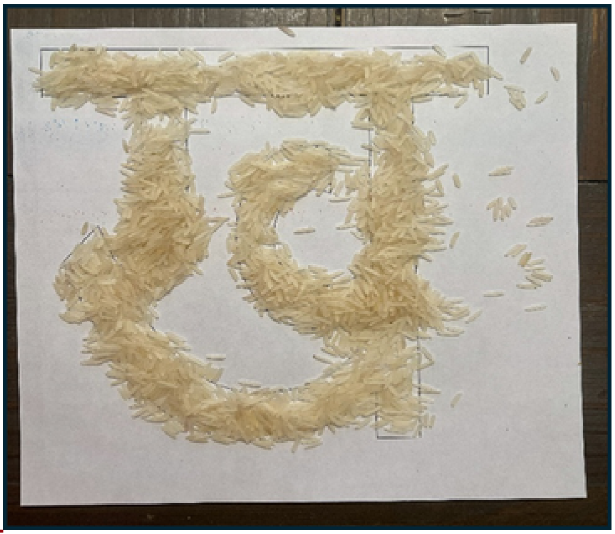

त्रिशा बांगड़ – “गाय और गिलास गमला में बैठकर गाजर खा रहे हैं।”

एडन चेन – “मैं घर में रहता हूँ, घड़ी पहनता हूँ, पैसे घड़ा में रखता हूँ, और मेरे पास घोड़ा है।”

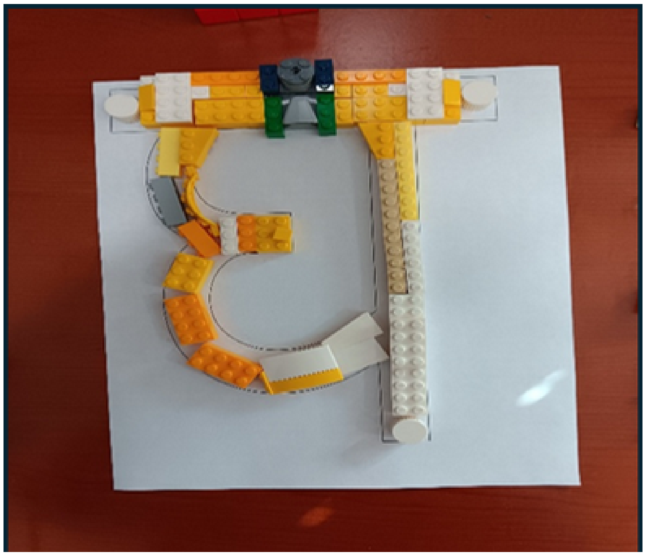

देवांग त्रिपाठी – “मेरी जीप पर जग, जूता, और जीभ है।”

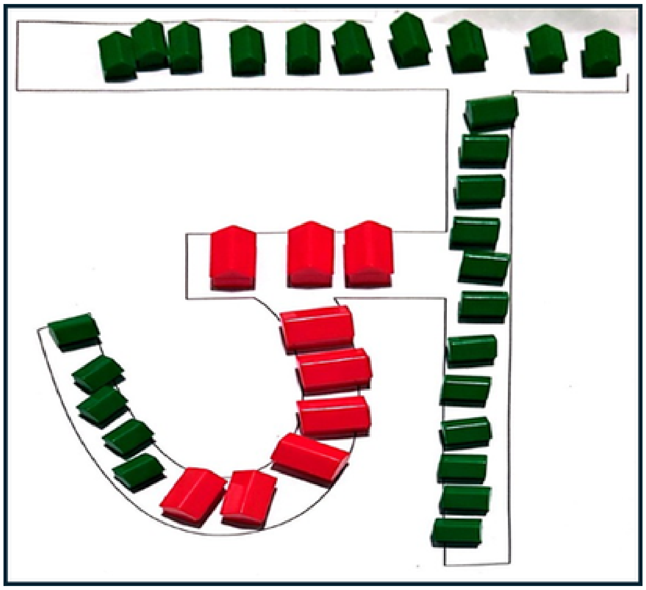

- “ट्रक के ऊपर टोकरी है और उसके अंदर टमाटर और टोपी बैठकर हँस रहे हैं।”

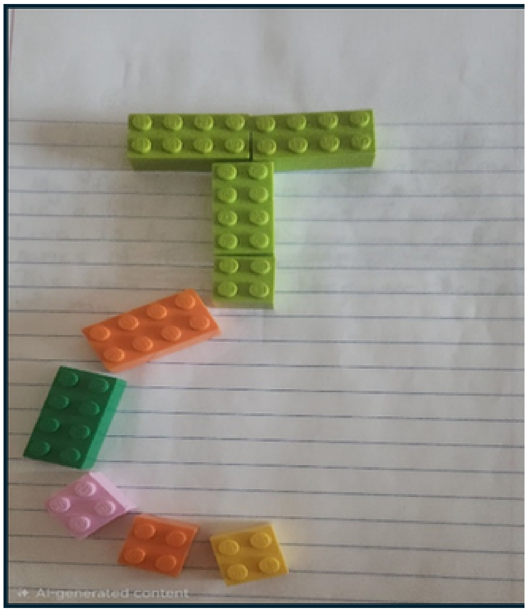

यश पाटिल – “तरबूज ताला में बंद है और तोता के पास तौलिया है।”

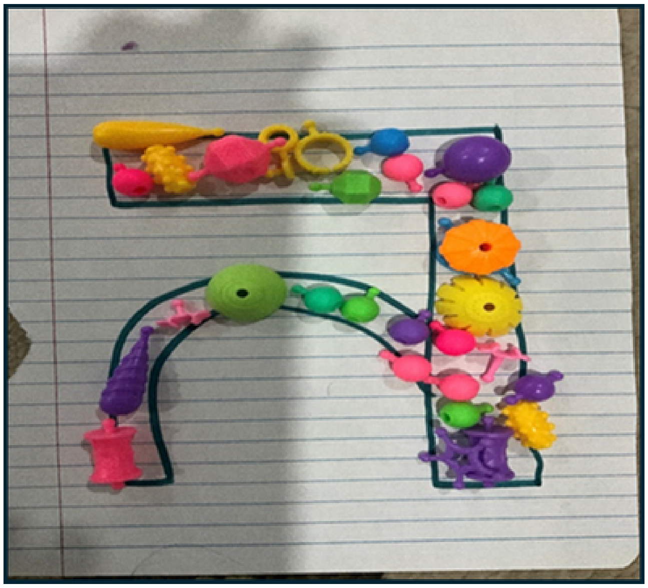

तनुष वेमुला – “मैंने थैला से थाली निकाली और थरमस में पानी भरा।”

सिराज सिंह – “दाँत ने दूध पिया, दरवाजा खोला और दीपक को देखा।”

कबीर सिंह – “मेरे नगर में नल है और नींबू नाच रहा है।”

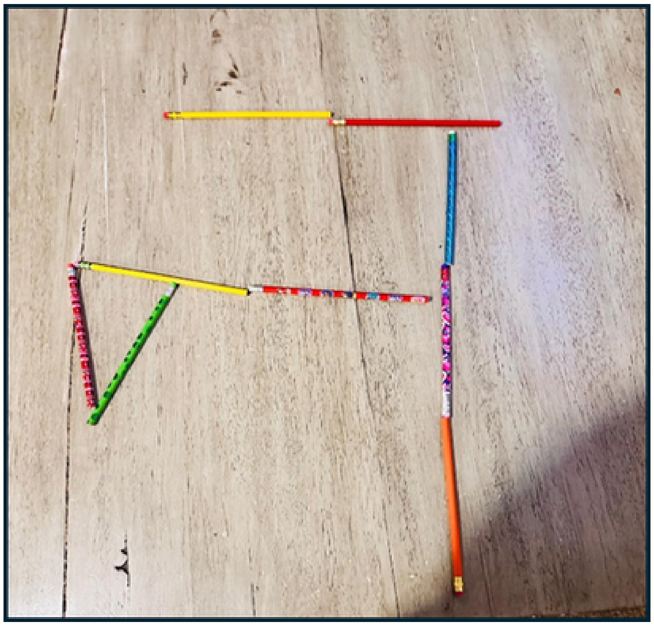

शौर्य प्रकाश – "मेरा शेर एक शलगम खा रहा था और शरबत पी रहा था।"

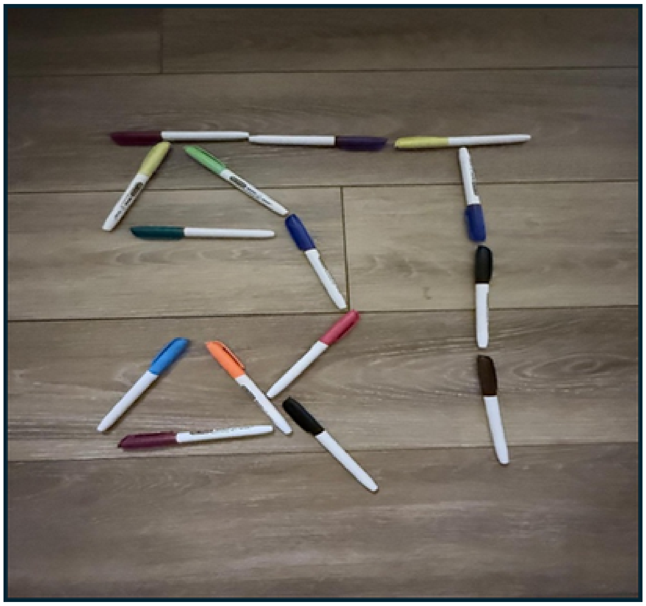

बच्चों के साथ-साथ हमने भी वाक्य और चित्र बनाये।

गौरी श्रीवास्तव – "लड़की ने छत पर छतरी और छड़ी फेंक दी।"

पवक पटेल – “पुल के नीचे पानी है और पुल के ऊपर एक आदमी पतंग उड़ा रहा है और पपीता खा रहा है।”

प्रीति गोरया – “राजा अपने रथ पर सवार होकर पास के रेल स्टेशन पर रुका और अपने गाँव की प्रजा के साथ रोटी का आनंद उठा रहा है।”

मोनिका गुप्ता – “कबूतर और कुत्ता कक्षा में केला खा रहे हैं।”

इंद्रधनुष के रंग अनेक, हिंदी करती हमें एक।

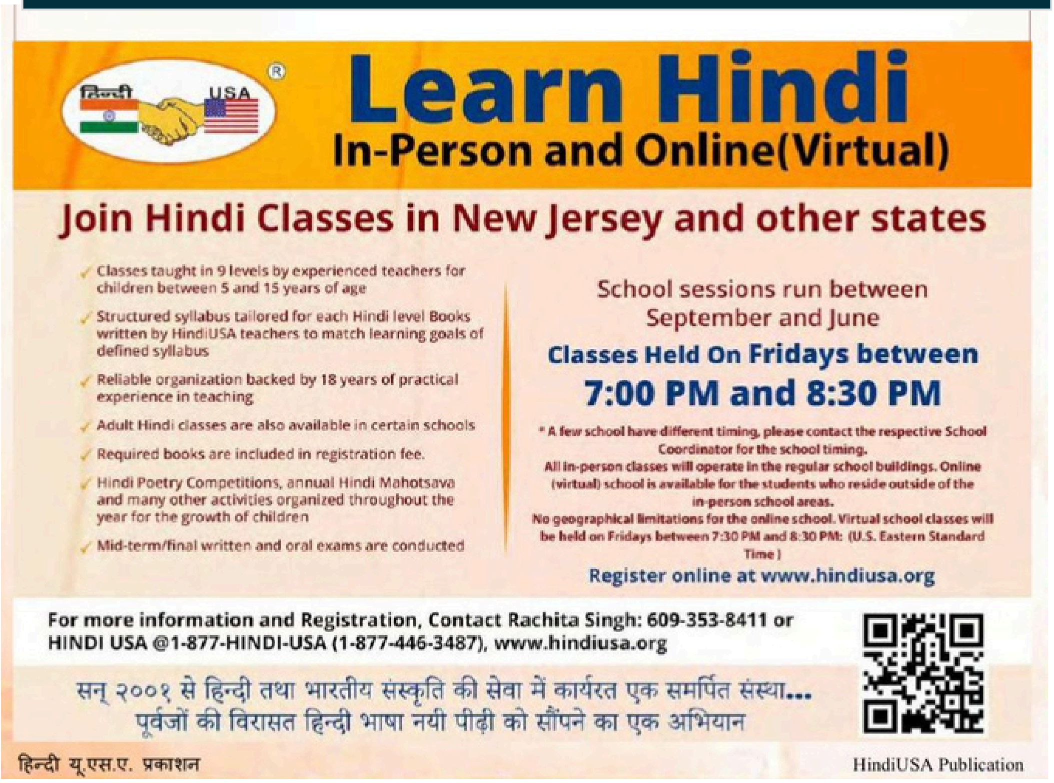

इंद्रधनुष के सुंदर रंग, हिंदी सीखें हम सब संग।

प्रथमा-२

Beginners II

(B-2)

प्रथमा-२ वुडब्रिज

नमस्ते,
मेरा नाम मंजू अग्निहोत्री है । मैं वुडब्रिज स्थित हिंदी यू एस ए की पाठशाला में प्रथमा-२ की अध्यापिका हूँ| इस वर्ष हमारी कक्षा के छात्र, छात्राओं ने दिवाली विषय पर अपनी रचनात्मक परियोजनाएँ (प्रोजेक्ट्स) तैयार की हैं| दिवाली, जिसे दीपावली के नाम से भी जाना जाता है, भारत का सबसे प्रमुख और हर्षोल्लास से मनाया जाने वाला त्योहार है| यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश की, बुराई पर अच्छाई की और अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रतीक है|

इन परियोजनाओं में बच्चों ने दिवाली के महत्व, इसके पीछे की पौराणिक कथाओं, भगवान राम के अयोध्या वापसी की गाथा, और इस पर्व से जुड़ी विभिन्न परंपराओं को बड़ी खूबसूरती से प्रस्तुत किया है| कुछ छात्रों ने रंगीन चित्रों के माध्यम से दीपों की सजावट दिखाई है, तो कुछ ने रंगोली के डिज़ाइन बनाए हैं| हर परियोजना में बच्चों की मेहनत, कल्पनाशीलता और भारतीय संस्कृति के प्रति उनका लगाव स्पष्ट रूप से झलकता है| इन परियोजनाओं को देखकर न केवल अभिभावकों को गर्व महसूस हुआ, बल्कि यह भी सिद्ध हुआ कि हमारी नई पीढ़ी अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ी हुई है और अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखने में सक्षम है|

प्रथमा-२

प्रथमा-२

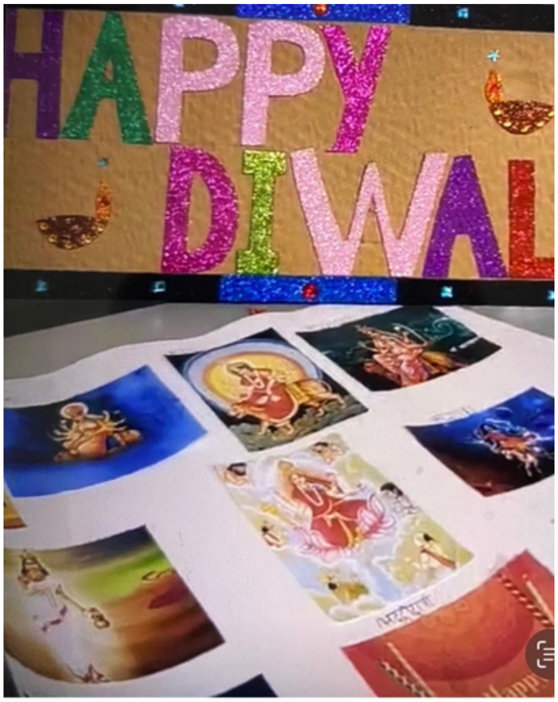

प्रथमा-२ ईस्ट ब्रुंस्विक

मेरा नाम टीना चोर्डिया है।
मैं ईस्ट ब्रुंस्विक हिंदी पाठशाला में प्रथमा - २ की अध्यापिका हूँ।
मेरी कक्षा की युवा स्वयंसेविका नियति चोरडिया हैं।

भारत परीयोजना

यह परियोजना भारत के बारे में है। विद्यार्थियों को भारत के महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में लिखना या बोलना था | जैसे राष्ट्रीय पशु और अन्य राष्ट्रीय भारत परियोजना के प्रतीक। उन्हें किसी एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी के बारे में भी बताना था और समझाना था कि उन्होंने देश की आजादी के लिए क्या योगदान दिया।

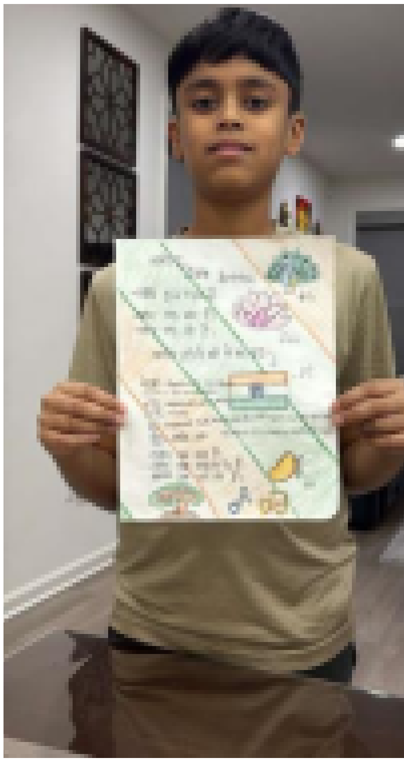

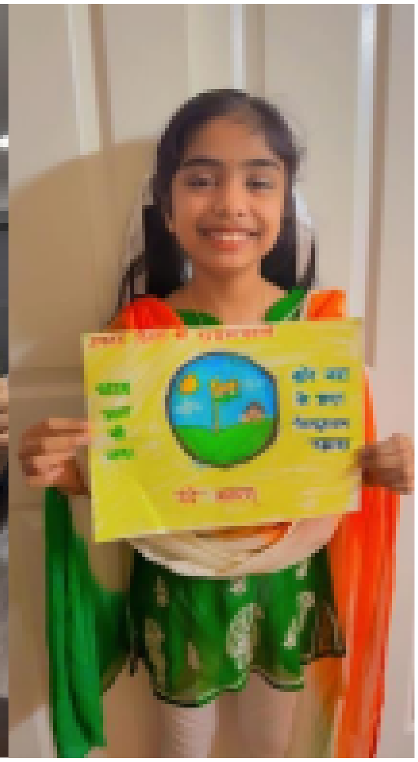

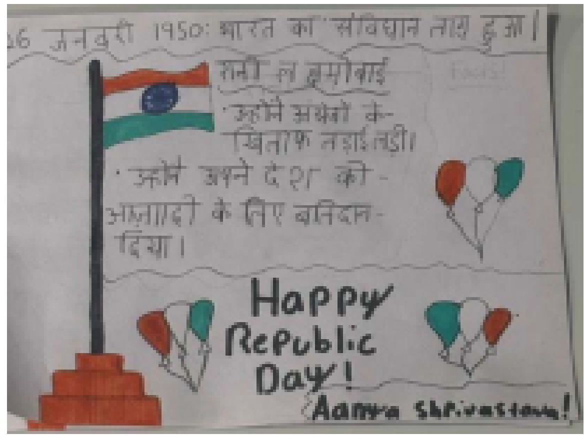
26 जनवरी 1950: भारत का संविधान लागू हुआ।
Happy Republic Day!

प्रथमा-२ पिसकाटावे

शिक्षिकाएँ: प्रीति ओसवाल, विक्रम सिंह
स्वयंसेवक: माधवा प्रिया

ये प्रोजेक्ट्स पिसकाटावे हिंदी स्कूल के बी2 क्लास के बच्चों द्वारा बनाए गए हैं।पहला प्रोजेक्ट दिवाली के लिए बनाया गया है, जिसमें दीये का उपयोग करके दिखाया गया है कि दिवाली कैसे मनाई जाती है। दूसरा प्रोजेक्ट कैलेंडर है, जिसमें बच्चों ने अपने सीखे हुए सभी 2 अक्षर वाले शब्दों का उपयोग किया है।तीसरा प्रोजेक्ट मिठाई की थाली सजना है।बच्चों ने इन प्रोजेक्ट्स को बनाने में बहुत अच्छा काम किया है और हमें गर्व है कि सभी 15 बच्चों ने इसमें भाग लिया।

Shubh Diwali

प्रथमा-२ मोंटगोमरी

छात्रों ने घर की चित्रावली बनाई। इसमें घर के हर कमरे को दर्शाया गया है। अपनी कक्षा की पढ़ाई के दौरान उन्होंने घर और उससे जुड़ी वस्तुओं के बारे में सीखा और उन्होंने इसे अपने चित्रावली में दर्शाया है।

रसोईघर
Pugazhini Mahesh kumar
पुगाझिनी महेश कुमार

स्नानघर
Pugazhini Mahesh kumar
पुगाझिनी महेश कुमार

ड्राइंग रूम
Tanmayi Prakya
तन्मयी प्रक्या

ड्राइंग रूम
Ahana Singh
अहाना सिंह

- **छात्रों ने कैलेंडर और दो शब्द चार्ट बनाए हैं।**

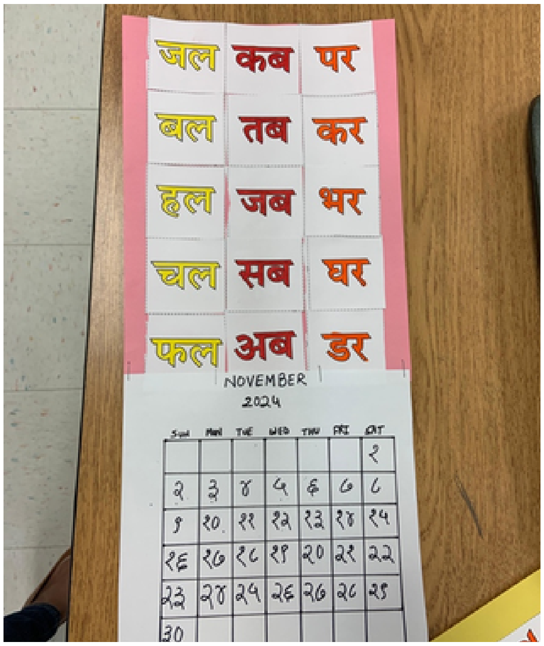

Ahana Singh
अहाना सिंह

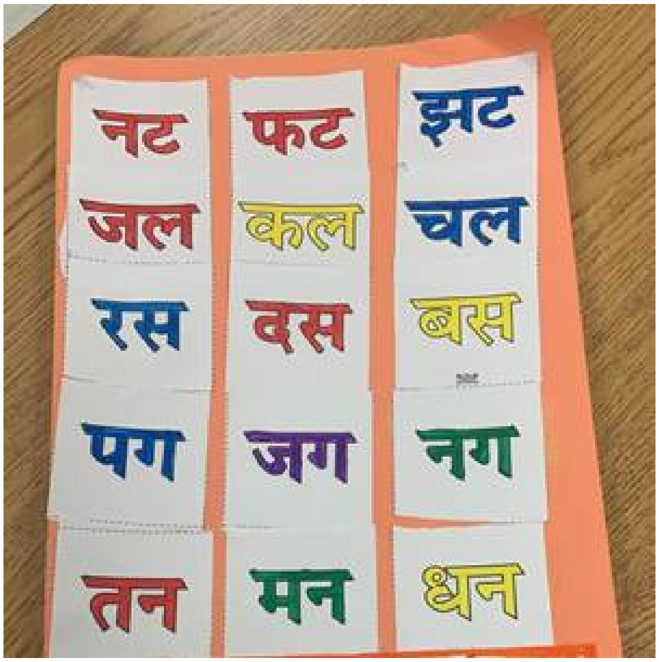

Pranav Singh
प्रणव सिंह

मध्यमा-१

Intermediate I

(I-1)

मध्यमा-१ स्टैमफोर्ड पाठशाला

स्मिता सेठ

कोमल जुनेजा

नमस्कार, मेरा नाम स्मिता सेठ है। मैं और मेरे साथ कोमल जुनेजा जी स्टैमफोर्ड कनेक्टिकट के मध्यमा -१ स्तर के शिक्षक हैं। इस बार कर्मभूमि का विषय हिंदी यू.एस.ए. की २५ वर्षों की यात्रा है। इस लेख में मध्यमा-१ के विद्यार्थियों ने अपनी हिंदी यू.एस.ए. की अपनी यात्रा और अनुभवों के बारे में बताया है।

ओम निगम

हिंदी यू.एस.ए. में मैंने हिंदी के अक्षर, स्वर और व्यंजन, शब्द और वाक्य सीखे हैं। मुझे खुशी है कि मैं हिंदी यू.एस.ए. में शामिल हो गया क्योंकि हाल ही में मेरा परिवार भारत गया था और मैं वहाँ सभी से बात करने में सक्षम था। अपनी मातृभाषा में सभी से बात करना अद्भुत था। मैंने हिंदी यू.एस.ए. में भी बहुत सारे दोस्त बनाए हैं। हर साल वार्षिक दिवाली उत्सव के लिए हम एक नृत्य करते हैं और मुझे अन्य कक्षाओं के छात्रों के साथ भी भाग लेने और मिलने का मौका मिलता है।

अयान जोशी

मैंने 8 1/2 साल की उम्र में हिंदी यू.एस.ए. की B1 क्लास में हिंदी सीखना शुरू किया था। उस समय मैं हिंदी के लिए नया था, और उस समय मैं डरा हुआ था, क्योंकि मेरे लिए हिंदी एक नई भाषा थी। फिर जैसे-जैसे समय बीतता गया, मुझे इसकी आदत होती गई, मैंने खुद से कहा: मैं हर शुक्रवार को हिंदी सीखूंगा, यह उतना बुरा भी नहीं है। कुछ महीनों बाद हमारे मिडटर्म एग्जाम हुए। मैंने टेस्ट में टॉप किया।

फिर सब कुछ नॉर्मल हो गया जब तक कि हमारी सालाना कविता प्रतियोगिता नहीं हुई। मुझे तीसरा स्थान मिला, इसलिए मुझे न्यू जर्सी में होने वाले महोत्सव में फाइनल में जाने का मौका मिला। जब मैं वहाँ पहुँचा, तो मैंने देखा कि उस लेवल पर 100 से ज़्यादा बच्चे थे! दु:ख की बात है कि मैंने वहाँ उतना अच्छा नहीं किया, इसलिए मुझे सबसे अच्छे अवॉर्ड्स में से एक नहीं मिला, लेकिन मैंने कोशिश की और बस यही मायने रखता है। कुछ समय बाद हमारा फाइनल एग्जाम हुआ जिसमें हमें पूरे साल हमने जो कुछ भी किया था,

वह सब लिखना/रिवीजन करना था। मैंने उस टेस्ट में भी टॉप किया!
फिर हमारी एक और क्लास हुई, हमारी आखिरी क्लास। फिर यह अनाउंसमेंट हुआ कि साल के आखिर में एक पार्टी होने वाली है, जहाँ हम सब मेरे दोस्तों से मिलने वाले थे और वे एक आइस-क्रीम ट्रक भी लाने वाले थे।

फिर B2 में, B1 की तरह सब कुछ दोहराया गया। इस साल मैं I1 में पढ़ रहा हूँ, मेरी क्लास में दो शानदार टीचर और एक असिस्टेंट टीचर हैं।
पढ़ने के लिए आपका शुक्रिया!

मन्नत जायसवाल

नई भाषा, नई खुशी - हिन्दी| मेरा नाम मन्नत जायसवाल है और मैं हिंदी USA में मध्यमा-१ की छात्रा हूँ| मैं कक्षा पाँच में पढ़ती हूँ| मैंने हिंदी भाषा को प्रथमा-१ के स्तर से सीखना शुरू किया था| शुरूआत में हिंदी सीखना मेरे लिए नया और थोड़ा मुश्किल था| धीरे-धीरे मैंने हिंदी पढ़ना, लिखना और बोलना सीख लिया| मेरी हिंदी की शिक्षिकाएँ बहुत अच्छी हैं| वे हमें सरल शब्दों में हिंदी सिखाती हैं|

मुझे हिंदी की कविताएँ बहुत पसंद हैं| मैंने दो हिंदी कविता प्रतियोगिताओं में भाग लिया| मैंने दोनों कविता प्रतियोगिताएँ जीती हैं| इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है| मेरे दोस्त मेरा हौसला बढ़ाते हैं| मेरे शिक्षक और माता-पिता मुझ पर गर्व करते हैं| मुझे हिन्दी USA जाना और हिंदी सीखना अच्छा लगता है| मैं आगे भी हिंदी सीखना चाहती हूँ और अच्छा करना चाहती हूँ| मेरी मातृभाषा हिन्दी है और इस पर मुझे गर्व है|

मायरा सिंघ

मुझे लगता है की हिन्दी पाठशाला एक बढ़िया तरीका है आपके वार्तालाप और अनुवाद बढ़ाने के लिये| मुझे अपने हिन्दी शिक्षक बहुत अच्छे लगते हैं क्यों कि वो हम छात्रों की मदद करते हैं| जब मैं भारत जाती हूँ मैं मेरे दोस्त और परिवार से हिन्दी में बात कर सकती हूँ| मौखिक परीक्षा और लिखित परीक्षा आपके हिन्दी ज्ञान को बढ़ाते हैं| हिन्दी पाठशाला एक अच्छी जगह है नए दोस्त बनाने के लिए|

एक दिन मैं और मेरी मम्मी भारत में ऋषिकेश गए थे। मेरे पापा पहले से उधर थे और मैंने एक बड़ा सा घर देखा। पापा ने बोला की एक बिल्ली हर दिन आती है। मुझे बहुत खुशी हुई थी जब वो बिल्ली हमारे दरवाजा पे आयी थी। उसको डर लग रहा था, पर धीरे धीरे वह हमारी दोस्त बन गयी। मैंने बिल्ली को हिन्दी में बोला कि उसका नया नाम टिगी है और जब मैं टिगी बोलती थी वो बार बार म्याऊँ करती थी।
फिर मैंने लोगों से हिन्दी में पूछा कि उस बिल्ली का नाम क्या है और बाद में पता चला कि उसका नाम लिली है। जब भी मैं बोलती थी "चलो टिगी", वो बिल्ली मेरे पीछे पीछे चलती थी, म्याऊँ बोलते हुए।
ये सब सिर्फ हिन्दी पाठशाला की वजह से हुआ है।

यशिका सिंह

शीर्षक: मेरी हिंदी यात्रा

मेरा नाम यशिका सिंह है और मैं स्टैमफोर्ड, कनेक्टिकट के हिंदी स्कूल में पढ़ती हूँ। मेरी हिंदी यात्रा कक्षा B1 से शुरू हुई थी। शुरुआत में मुझे हिंदी पढ़ने और बोलने में परेशानी होती थी। कक्षा में हिंदी बोलते समय मुझे थोड़ा डर भी लगता था। धीरे-धीरे मैंने नए शब्द सीखे और हिंदी बोलना आसान लगने लगा।

हिंदी स्कूल का मेरा सबसे अच्छा अनुभव सालाना कविता प्रतियोगिता रहा है। इस प्रतियोगिता में भाग लेकर मुझे बहुत खुशी मिली। मैंने मंच पर जाकर अपनी हिंदी कविता सुनाई।
मेरे शिक्षकों और दोस्तों ने ताली बजाकर मेरा हौसला बढ़ाया। कविता प्रतियोगिता के बाद हमने पार्टी की और खूब मज़ा किया। अब मैं कक्षा I1 की छात्रा हूँ और मुझे हिंदी बोलना अच्छा लगता है। मेरी हिंदी यात्रा सुंदर यादों से भरी हुई है।

रेयांश पांडे

लेखक के बारे में -

रेयांश नौ वर्ष का है और हिंदी यू.एस.ए. में साप्ताहिक हिंदी कक्षा में पढ़ता है। उसे हिंदी सीखना और नई चीज़ें जानना बहुत पसंद है। रेयांश को कहानियाँ पढ़ना, चित्र बनाना और खेलना अच्छा लगता है। वह हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति के बारे में और सीखना चाहता है।

हिंदी यूएसए में मेरी यात्रा -

मेरा नाम रेयांश है। मैं हर हफ्ते हिंदी यू.एस.ए. की कक्षा में जाता हूँ। शुरुआत में मुझे हिंदी पढ़ना और लिखना थोड़ा मुश्किल लगता था। धीरे-धीरे मैंने अक्षर, शब्द और वाक्य बनाना सीखा। मेरे शिक्षक बहुत मददगार हैं। कक्षा में हम कहानियाँ, कविताएँ और खेल के माध्यम से सीखते हैं। अब मुझे हिंदी में बोलने में आत्मविश्वास महसूस होता है। मैं घर पर अपने माता-पिता और दादा-दादी से हिंदी में बात करता हूँ। हिंदी यू.एस.ए. ने मुझे अपनी भाषा और संस्कृति से जोड़ा है। मुझे हिंदी सीखना बहुत अच्छा लगता है।

वंशिका प्रिया

नमस्ते, मेरा नाम वंशिका प्रिया है। मैं कक्षा I1 में पढ़ती हूँ। मैं साल २०२४ में U.S.A आई थी और तभी मैंने   B2 से शुरुआत की। मैं बहुत डरी हुई थी नए लोगों के साथ नयी शुरुआत कैसे करूँगी। हिंदीं सीखना कठिन लगता था लेकिन मुझे बहुत अच्छे शिक्षक मिले। उन्होंने बहुत ही आसान तरीके से सिखाया और समझाया। मैंने महसूस किया कि मेरी हिंदी सुधर रही है। यहाँ बहुत सारी प्रतियोगिताएँ और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होते हैं जो हमें हमारे भारत से जोड़े रखते हैं। हिंदी के क्षेत्र में मुझे ज्ञान बढ़ने के कारण मुझमें काफी आत्मविश्वास आया है, और यहाँ अपनी पढाई पूरी करने के लिए बहुत उत्सुक हूँ। आशा करती हूँ कि मैं हिंदी भाषा में और निपुणता प्राप्त करूँ।

अंत में मैं मेरे शिक्षकों और हिंदी U.S.A संस्था को धन्यवाद करना चाहती हूँ जिन्होंने अपने देश से दूर रहते हुए भी हमारी मातृभाषा से जोड़े रखा। धन्यवाद

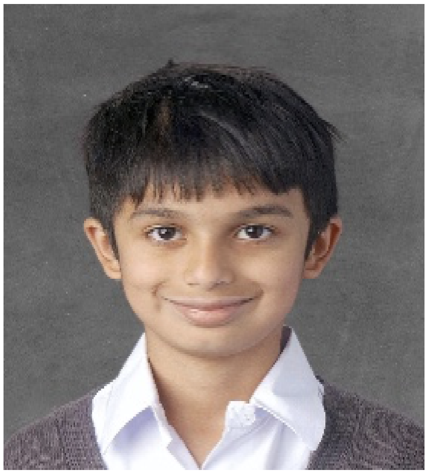

विहान छाबड़ा

मेरा नाम विहान छाबड़ा है। मैं I-1 का छात्र हूँ। मैंने हिंदी यू.एस.ए. की पढ़ाई आज से लगभग चार साल पहले कक्षा S-1 से शुरू की थी जब मैं सिर्फ पाँच साल का था। मुझे हिंदी यू.एस.ए. में नये दोस्त मिले जो आज भी मेरे दोस्त हैं। मुझे अपने दोस्तों के साथ कक्षा में हिन्दी सीखना और हिंदी में बात करना बहुत अच्छा लगता है। मुझे शुरू में हिंदी में बात करने में मुश्किल होती थी पर धीरे- धीरे अब मुझे हिंदी अच्छी लगती है। मैं अब अपने दादा-दादी और नाना-नानी से हिंदी में ही बात करता हूँ।
मुझे हिंदी यू.एस.ए. के कार्यक्रम में भाग लेना बहुत पसंद है। हिंदी कविता प्रतियोगिता और दिवाली का उत्सव मेरे मनपसंद कार्यक्रम हैं। मुझे इन कार्यक्रमों में भाग लेने से लोगों के सामने बोलने का उत्साह मिला। मैं इसके लिए हिंदी यू.एस.ए. का आभारी हूँ। मेरी इच्छा है कि मैं इसी तरह अपनी हिंदी की शिक्षा हिंदी यू.एस.ए. से करता रहूँ और अपनी संस्कृति को अच्छे से जान सकूँ।

सहस्र रेड्डी कसम

मैंने अपनी हिंदी सीखने की यात्रा ऑनलाइन क्लास से शुरू की, जहाँ मैंने बेसिक बातें सीखीं। इसके बाद, मैंने धीरे-धीरे हिंदी शब्द पढ़ना शुरू किया, और उनके मतलब समझने पर ध्यान दिया। धीरे-धीरे, मुझे हिंदी थोड़ी बेहतर समझ में आने लगी, लेकिन पूरी तरह से फ्लूएंट नहीं हुई।
HindiUSA जॉइन करना और B2 लेवल तक पहुँचना एक महत्वपूर्ण कदम था। वहाँ मैंने दो अक्षर, तीन अक्षर और चार अक्षर वाले शब्द सीखना और उनका इस्तेमाल समझना शुरू किया। बाद में, मैंने धीरे-धीरे हिंदी बोलने की प्रैक्टिस शुरू की।
इसके अलावा, मैंने सुने हुए हिंदी शब्दों को लिखने की प्रैक्टिस भी शुरू की। आखिरकार, मेरी पढ़ने की फ्लूएंसी बेहतर हो गई। जल्द ही, मैंने पैसेज पढ़ने की कोशिश की, लेकिन मैंने अभी तक पूरी फ्लूएंसी हासिल नहीं की है। भविष्य में सुधार के लिए, मैंने रेगुलर रूप से अपनी वोकैबुलरी बढ़ाने पर ध्यान देने का प्लान बनाया है।

ऑनलाइन

हिंदी यू.एस.ए. पाठशाला

Online

HindiUSA School

ऑनलाइन हिंदी पाठशाला - हिंदी भाषा को घर घर पहुँचाने का सशक्त माध्यम

अमेरिका में जन्मे बच्चों को हिंदी यू.एस.ए. एक ऐसा समग्र मंच उपलब्ध कराता है जहाँ वे हिंदी भाषा के अध्ययन के अलावा लेखन, काव्य पाठ, एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय संस्कृति को जानते और समझते हैं। हमारे संस्थापकों का सपना है कि वे हिंदी यू.एस.ए. के माध्यम से हिंदी भाषा और संस्कृति को उत्तरी अमेरिका में ही नहीं अपितु विश्व के हर कोने में रहने वाले कोटि कोटि बच्चों और युवाओं तक पहुँचा सकें। अमेरिका के हर नगर में हिंदी पाठशाला खोलने के स्वप्न की शुरुआत सन् २००१ से हो गई थी, और २०१९ आते आते २० पाठशालाएँ खुल भी गयीं थीं। २०२० में जब कोविड का संकट आया तो ऐसा लगा मानो यह अश्वमेध अब रुक जाएगा, परन्तु सारी पाठशालाओं में उस वर्ष ऑनलाइन कक्षाएँ चलीं, और न्यू जर्सी ही नहीं वरन् अमेरिका के अन्य कई प्रदेशों से बच्चे जुड़ गए। कोविड के बाद जब फिर से इन-पर्सन पाठशालाएँ खुलीं तो समस्या यह थी कि उन शहरों के बच्चे अब किधर और कैसे पढ़ेंगे जहाँ पाठशालाएँ नहीं थीं।

संस्थापकों ने उन बच्चों की हिंदी शिक्षा की निरंतरता बनाये रखने के लिए ऑनलाइन पाठशाला खोलने का निर्णय लिया। यूँ कहिये कि माँ भारती की सेवा को गति देने के लिए हमें एक नया माध्यम मिल गया। कब ऑनलाइन पाठशाला में विद्यार्थियों की संख्या १०० से ३८१ हो गई, कब हिंदी यू.एस.ए. की सेवायें न्यूजर्सी-ईस्ट कोस्ट को पार कर पूरे अमेरिका के विभिन्न २० प्रदेशों में उपलब्ध हो गयीं, पता ही नहीं चला। आज ऑनलाइन पाठशाला को स्थापित हुए पाँच वर्ष हो गये हैं। इस पाठशाला को प्रारंभ करने एवँ संचालन करने में हिंदी यू.एस.ए. के संस्थापकों, पाठशाला संचालकों, स्तर संचालकों, और स्वयंसेवकों का अभूतपूर्व योगदान रहा है।

ऑनलाइन पाठशाला का संक्षिप्त विवरण:

ऑनलाइन पाठशाला की उपलब्धता :	**पूरे नार्थ अमेरिका में वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर**
कुल छात्र एवं छात्राएँ :	**३८५**
कुल स्तर [कनिष्ठ - उच्चस्तर, एवं हिंदी स्पोकन कक्षा] :	**९**
कुल कक्षाएँ :	**३६**
कुल शिक्षक एवं शिक्षिकाएँ :	**५५**
कुल युवा स्वयंसेवक :	**४१**
पाठशाला संचालक :	**राजीव श्रीवास्तव, इंदु श्रीवास्तव**

वर्तमान और भविष्य में ऑनलाइन पाठशाला के संचालन में बहुत से कर्मठ स्वयंसेवकों की आवश्यकता होगी। इस लेख के माध्यम से हम ऑनलाइन पाठशाला के संचालकों का आप सभी से आह्वान है कि अधिक से अधिक सुयोग्य और प्रतिबद्ध लोगों को स्वयंसेवक के रूप में जुड़ने के लिए प्रेरित करें जिससे माँ भारती के इस अश्वमेध को हमारी भावी पीढ़ियों तक पहुँचाया जा सके।

ऑनलाइन पाठशाला : दो दिवसीय कविता पाठ

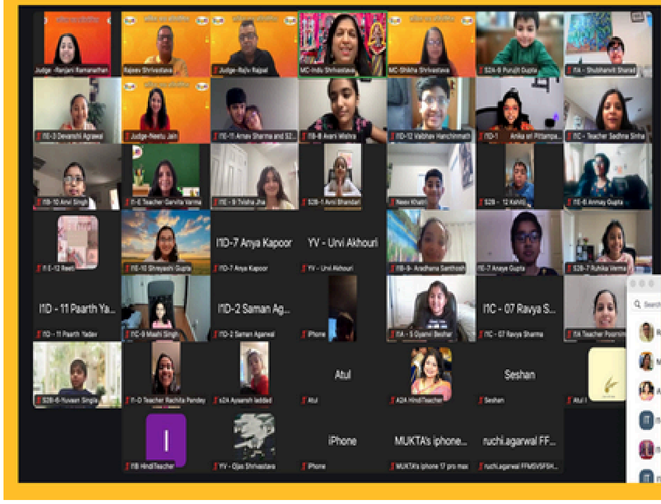

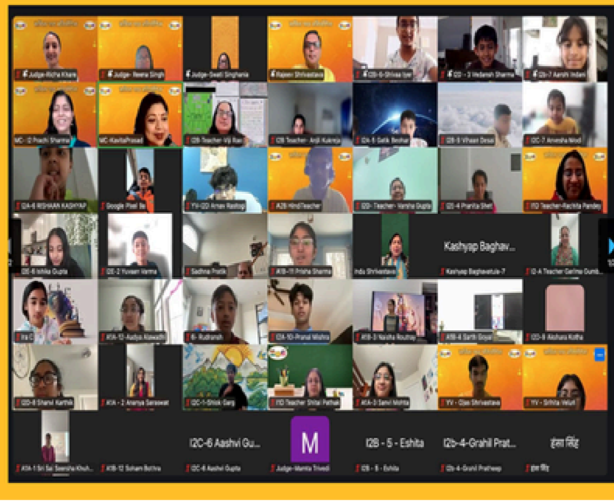

ऑनलाइन पाठशाला : कनिष्ठा-२ कक्षाएँ

ऑनलाइन पाठशाला : प्रथमा-१ कक्षाएँ

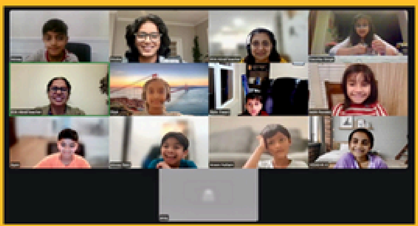

ऑनलाइन पाठशाला : प्रथमा-२ कक्षाएँ

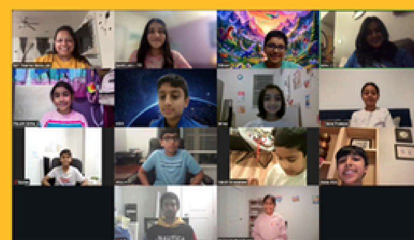

ऑनलाइन पाठशाला : मध्यमा-१ कक्षाएँ

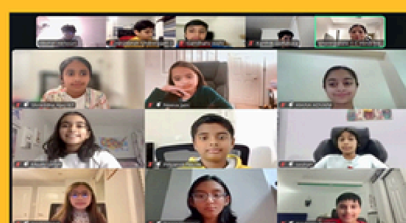
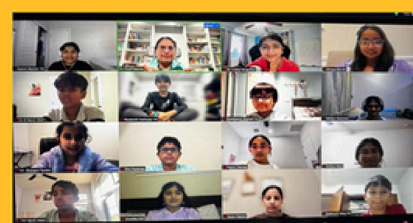
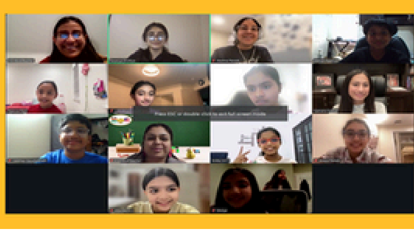
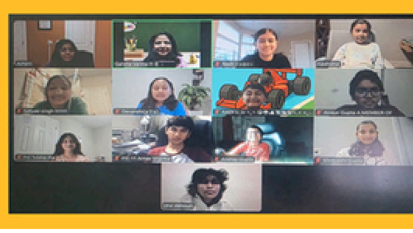

ऑनलाइन पाठशाला : मध्यमा-२ कक्षाएँ

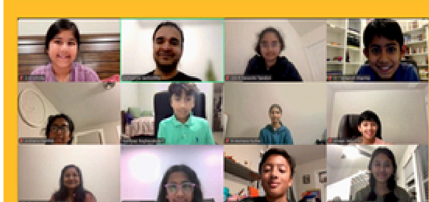
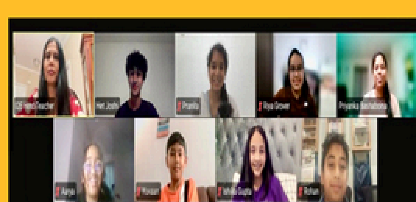

ऑनलाइन पाठशाला : मध्यमा-३ कक्षाएँ

ऑनलाइन पाठशाला : उच्च स्तर १ एवं २ कक्षाएँ

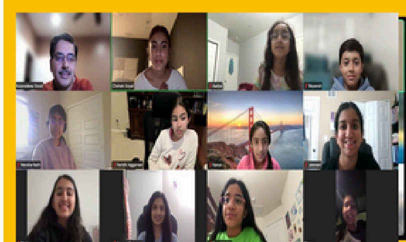
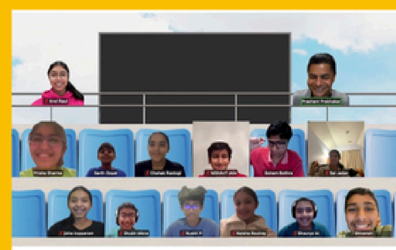

ऑनलाइन पाठशाला : युवा स्वयं सेवक अभिनंदन

ऑनलाइन हिंदी यू.एस.ए. पाठशाला: कनिष्ठ-२-B

कक्षा परियोजनाएँ

ऑनलाइन हिंदी यू.एस.ए. पाठशाला से कनिष्ठ-२ कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा बनाई कुछ सुंदर कक्षा परियोजनाएँ आप सभी के साथ साझा करते हुए हमें बहुत ही हर्ष हो रहा है।

कक्षा: कनिष्ठ-२-B, शिक्षिका: नीरू उप्पल, युवा स्वयंसेवक: सात्विक पाटीदार
मैं नीरू उप्पल, पिछले १५ वर्षों से कनिष्ठ-२ कक्षा को पढ़ा रही हूँ।हिंदी यूएसए में पढ़ाने की शुरुआत चेस्टरफील्ड NJ पाठशाला में पढ़ाने से की थी, और COVID के बाद, ऑनलाइन पाठशाला में पढ़ाने लगी ।

मुझे खास तौर पर S2 लेवल के छात्रों को पढ़ाना पसंद है, जो हिंदी सीखने का शुरुआती चरण (foundation stage) होता है। मुझे उन छोटे बच्चों के साथ काम करने में विशेष रुचि है, जो पहली बार हिंदी सीख रहे हैं। एक नई भाषा सीखने के लिए उनकी जिज्ञासा और उत्साह सचमुच प्रेरणादायक होता है ।

इस स्तर पर, हमारा मुख्य ध्यान भाषा की एक मज़बूत नींव बनाने के लिए, अक्षरों और स्वरों की पहचान के साथ-साथ, बोलने के कौशल (oral skills) को विकसित करने पर होता है।

मैं अपने छात्रों द्वारा बनाए गए कुछ प्रोजेक्ट्स भी आपके साथ साझा करना चाहूँगी। ये प्रोजेक्ट्स हमारे पाठ्यक्रम का एक अहम हिस्सा हैं, और ये रचनात्मकता तथा व्यावहारिक भागीदारी (hands-on engagement) के माध्यम से हिंदी सीखने की प्रक्रिया को और भी मज़बूत बनाने में मदद करते हैं।

मैं अपने छात्रों में हिंदी के प्रति प्रेम जगाने और उनकी सीखने की यात्रा में उनका सहयोग करने के लिए तत्पर हूँ।

1. रावण परियोजना: विभिन्न शिल्प और कक्षा परियोजनायें की हैं और उसे शिल्पकारी बहुत पसंद है। देखिए उसके द्वारा की हुई कुछ शिल्पकारी !!

विद्यार्थी: प्रबीर शर्मा

विद्यार्थी: अवनी

विद्यार्थी: युवान

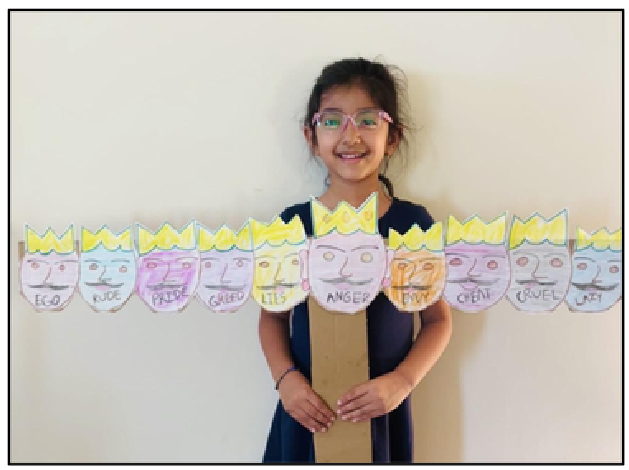

विद्यार्थी: सिया

2. हिंदी स्वर वर्ण और रंग परियोजना: दूसरी और तीसरी कक्षा परियोजनायें सिखाए गए हिंदी वर्णमाला के स्वरों और सिखाए गए रंगों की दी गई थी। देखिए बच्चों के द्वारा की हुई कुछ शिल्पकारी !!

विद्यार्थी: रुहिका

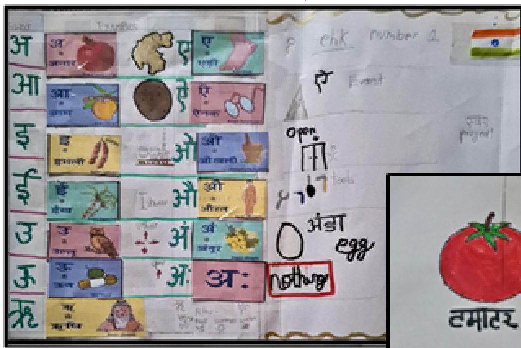

विद्यार्थी: युवान

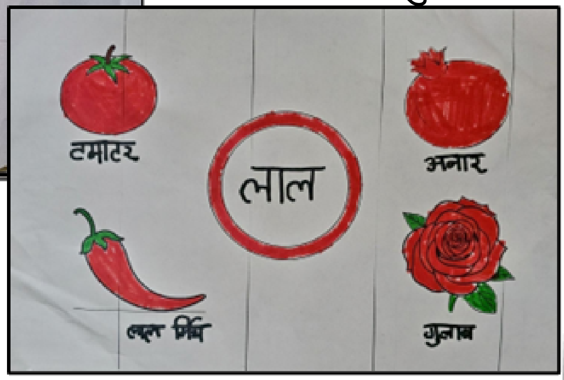

विद्यार्थी: अवनी

3. दिवाली परियोजना: कुछ बच्चों ने दीपावली/दिवाली पर कक्षा परियोजना का वीडियो बनाकर भेजा है। काव्या ने लाल रंग के पहने अपने परिधान का नाम बताया , तो सिया ने दिवाली के शुभ अवसर पर सभी को दिवाली की बधाई दी!

विद्यार्थी: काव्या

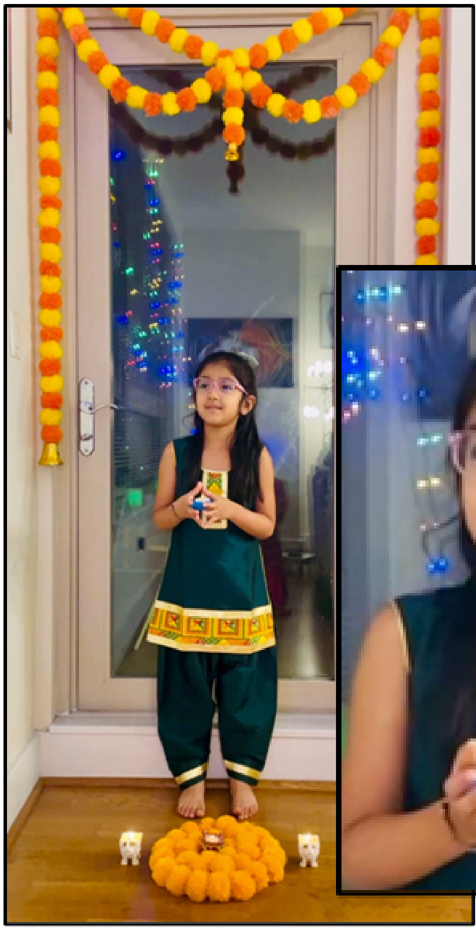

विद्यार्थी: सिया

ऑनलाइन हिंदी यू.एस.ए. पाठशाला : प्रथमा-१

रंग बिरंगी होली है - Happy Holi !!

ऑनलाइन हिंदी यू.एस.ए. पाठशाला : प्रथमा-१ कक्षा के छात्र द्वारा बनाई एक सुंदर कक्षा परियोजना

कक्षा: प्रथमा-१-E, शिक्षिका: शिल्पा चंद्रवंशी, युवा स्वयंसेवक: प्रियांशी गर्ग

मैं, शिल्पा चंद्रवंशी पिछले कुछ वर्षों से प्रथमा-१-E कक्षा को पढ़ा रही हूँ और मुझे हमेशा से यह देख के बहुत अच्छा लगता है कि बच्चे कितने रचनात्मक होते हैं। हर साल बच्चे होली और दिवाली के प्रोजेक्ट करते हैं और अक्सर वे उनमें बहुत रचनात्मकता दिखाते हैं। दिवाली प्रोजेक्ट में हम उन्हें निर्देश देते हैं, लेकिन होली में माहौल बहुत अनौपचारिक होता है ताकि उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा मिल सके। इसी क्रम में, इस वर्ष कक्षा में एक बच्चे ने अपने प्रोजेक्ट में 'रिसाइकल' (recycle) वस्तुओं का उपयोग किया। दिवित ने रंग की बोतलों का उपयोग करके बहुत ही रचनात्मक काम किया और जिस तरह से उसने इसे प्रस्तुत किया वह बहुत ही रोचक और सुंदर था, जो होली के सार (संदेश) और बच्चों के उल्लास को दर्शाता है।

विद्यार्थी: दिवित मानसिंहका, प्रथमा-१-E कक्षा के छात्र हैं और बहुत ही होशियार तथा रचनात्मक हैं। दिवित ने कक्षा में होली परियोजना के लिए यह बनाया था।

!!! रंग बिरंगी होली है, बुरा ना मानो होली है !!!

ऑनलाइन हिंदी यू.एस.ए. पाठशाला: प्रथमा-२

देखो मेरी शिल्पकारी

ऑनलाइन हिंदी यू.एस.ए. पाठशाला : प्रथमा-२ कक्षा की विद्यार्थी द्वारा बनाई कुछ सुंदर शिल्पकला

कक्षा: प्रथमा-२-E, शिक्षक : पंकज जैन, सोनिया वढेरा,
युवा स्वयंसेवक: आदित्य इंगोले

मेरा नाम पंकज जैन है और मैं पिछले 10 वर्षों से B2-E स्तर के विद्यार्थियों को हिंदी पढ़ा रहा हूँ।मेरे अनुभव में मेरी कक्षा के बच्चे बहुत उत्साही, जिज्ञासु और सीखने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। उन्हें हिंदी सीखने में गहरी रुचि है और वे हर गतिविधि में पूरे ध्यान और उत्साह के साथ भाग लेते हैं। बच्चों की यही ऊर्जा और हिंदी यू.एस.ए. का निरंतर सहयोग मुझे प्रेरित करता है कि मैं इतने वर्षों से इस सेवा कार्य से जुड़ा पा रहा हूँ। बच्चों को हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति से जुड़ते देखना मेरे लिए बहुत खुशी और संतोष की बात है, और यही प्रेरणा मुझे आगे भी इस कार्य से जुड़े रखने के लिए प्रोत्साहित करती है।

विद्यार्थी: मिश्का चौहान, प्रथमा-२-E कक्षा में पढ़ती हैं और हिंदी यू.एस.ए. के लिए विभिन्न शिल्प और कक्षा परियोजनायें की हैं और उसे शिल्पकारी बहुत पसंद है। देखिए उसके द्वारा की हुई कुछ शिल्पकारी !!

हिन्दी यू.एस.ए.
खेल दिवस
Sports Day

हिन्दी यू.एस.ए पाठशाला कृत खेल दिवस

संजय भयाना, रीना सिंह, राज मित्तल

हिन्दी यू.एस.ए की रजत जयंती के अवसर पर चार अप्रैल दो हज़ार छब्बीस को पहला खेल समारोह लॉरेंसविल के नोट्रे डेम स्कूल में मनाया गया। चार सौ से अधिक छात्रों और अभिभावकों ने इस कार्यक्रम का आनंद लिया। चालीस से अधिक स्वयंसेवकों ने इस कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया।

छह से लेकर सत्रह वर्ष के छात्रों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं, जैसे ट्रैक एंड फील्ड, दौड़, रिले, लेमन एंड स्पून, थ्री-लेग्ड रेस, सैक रेस, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, टेनिस और टेबल टेनिस में भाग लिया। यह एक बहुत ही प्रतिस्पर्धी माहौल था, विद्यार्थी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे थे और जीतने की कोशिश कर रहे थे। छात्रों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते। सभी लोग बहुत खुश थे। विद्यार्थी खेल का आनंद ले रहे थे और दर्शक उनका उत्साह बढ़ा रहे थे।

यह एक बहुत सफल कार्यक्रम राहा। छात्र और अभिभावक चाहते हैं कि खेल दिवस हर साल आयोजित किया जाना चाहिए। हमारा प्रयास इसे हर साल आयोजित करने का रहेगा क्योंकि खेल खेलने से शरीर और मन, दोनों मज़बूत रहते हैं।

240

IRISH BASEBALL

155

161

आशा झुनझुनवाला
HTHF पाठशाला

पासाडेना, कैलिफ़ोर्निया में स्थित हिंदू टेम्पल एंड हैरिटेज फाउंडेशन (HTHF), हिंदी यू.एस.ए. की सहयोगी पाठशालाओं में से एक है।

आशा झुनझुनवाला जी वहाँ मध्यमा-३ स्तर की शिक्षिका हैं।

वृक्षारोपण

वृक्षारोपण करते रहिए, ये काम बड़े ही आते हैं।
जीवन में हमारे कदम कदम पर, कितना साथ निभाते हैं।

शैशव में ये बने पालना, झूला हमें झुलाते हैं।
विद्यार्थी की पुस्तक बनकर, शिक्षा उच्च दिलाते हैं।
युवा अवस्था में फेरों का, मण्डप ये बन जाते हैं।
अग्नि बन कर साक्षी होते, पाणिग्रहण करवाते हैं।...

घर बनते, फर्नीचर बनते, भोजन भी बन जाते हैं।
ढोलक मुरली पियानो बन कर, सुन्दर राग सुनाते हैं।
बने बुढ़ापे की लाठी, फिर औषधि भी बन जाते हैं।
प्राण भले ही साथ छोड़ दे, ये फिर भी साथ निभाते हैं।...

चन्दन की लकड़ी बनकर, ये अनुपम सेज सजाते हैं।
अपनी अंतिम यात्रा में, संग धूँ-धूँ कर जल जाते हैं।
कहो साथियों भू- मंडल पर, कौन जो इतना साथ निभाते।
रूप बदलकर कदम-कदम पर, जीवन पर्यन्त काम ये आते।...

वृक्षारोपण करते रहिए, ये काम बड़े ही आते हैं।
जीवन में हमारे कदम कदम पर, कितना साथ निभाते हैं।

लता उपाध्याय

लता उपाध्याय दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक हैं। कॉलेज मैगज़ीन की लगभग तीन वर्ष script writer व editor रहीं। ये MHRD (dept. of Education) India, New Delhi में लगभग १७ वर्ष कार्यरत रहीं और कार्यालय के अनेक कार्यक्रमों का हिस्सा रहीं। अमेरिका में PNC Bank व अन्य companies में लगभग १५ वर्ष कार्य किया। ये अपने लेखन के शौक को बरक़रार रखती हैं और समय समय पर कुछ न कुछ लिखती रहती हैं। आने वाले वर्षों में भी आपको इनके द्वारा लिखित कविता, संस्मरण, रचना इत्यादि पढ़ने को मिलती रहेगी।

हवाई यात्रा संस्मरण

मैं नवम्बर २२, २०२३ को हवाई जहाज़ यात्रा मायामी फ़्लोरिडा से नुवार्क, न्यू जर्सी आ रही थी। सवेरे की फ्लाइट थी तो जल्दी उठना पड़ा। एयरपोर्ट पहुँची तो बहुत ही ज़्यादा भीड़ थी। थैंक्सगिविंग वीकेंड जो था। खिड़की की सीट मिली। मौसम एकदम साफ़ और अच्छी धूप निकली है आज। बाहर देखा तो बादलों का चमन दिखा। बहुत ही खूबसूरत। बादल तुम रूई जैसे दिखते हो, कही सपाट तो कही पर्वत, दूर दूर तक सफ़ेद। जैसे बड़े से बिस्तर पर सफ़ेद चादर बिछी हो। मन करता है कूद मारकर सो जाऊँ इस बिस्तर पर। सवेरे जल्दी जो उठी थी। अब बाहर देखती हूँ तो छोटे छोटे बादल के टुकडे अलग अलग दिखते हैं जैसे बादल अलग अलग आकार में अपनी अपनी मंज़िल में बैठे हैं। प्रकृति का नजारा ही अदभुद है। कुछ बादल तो नीले आकाश पर अपनी सफ़ेद पालकी लेकर चल रहे हैं।

बादल तुम मुझे अपनी पालकी में बैठाकर ले चलो दूर कहीं किसी ऐसे ही नज़ारे में। अब सफ़ेद बादलों से थोड़ा नीचे आया है जहाज़ तो बादल थोड़े काले दिखने लगे, वही मनुष्य निर्मित वस्तुएँ दिखने लगी। चलो आ गये अपनी मानवीय दुनिया में। कल्पना में ही सही कुछ देर बादलों की पालकी में बैठ लिए बहुत ही आनंद आया। अब अगली यात्रा का इंतज़ार।

मोदी जी

लता उपाध्याय

आपका व्यक्तित्व आकर्षक, शरीर सुदृढ़ और माथे पर तेज़ है।
और देश के विकास की गति भी तेज़ है।
आप उद्देश्य की दृढ़ भावना लेकर चलते हैं
जिसके असर जनता पर सार्थक पड़ते हैं।
सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास साथ लेकर चलते हैं।
सारी जनता के दिल को छू लेते हैं।
यही तो एक मुखिया, कुशल राजनयिक की सोच होती है
जिससे देश की हर जगह जीत होती है।
विकास के लिए आपके दिल की उड़ान आकाश से भी ऊँची है।
तभी तो अपनी अर्थव्यवस्था विश्व की प्रथम पाँच पर पहुँची है।
मोदी है तो मुमकिन है देश की शान बनी है।
अनेकता में एकता आज भारत की पहचान बनी है।
डिजिटल विश्व का जमाना है जिसमें भारत का नाम आला है श्रेष्ठ है।
आज हिन्द विश्व में पहचान बना है हर जगह अपने मंदिर का निर्माण हुआ है।
सपने को संकल्प, संकल्प को सिद्धि में बदलना आपको आता है और दुश्मन को सबक़
सिखाना भी आता है, बातचीत से अपनी बात मनवाना भी आता है तभी तो ३७० हटाया।
तीन तलाक़ हटाया। आबू धाभी से अपने सिपाहियों को वापस बुलवाया।
आप ताली ठोककर सीना तानकर विश्वाश से अपनी बात कहते है। तभी तो १४० करोड़
देशवासियों के दिल और दिमाग़ में बसते हैं।
आपने ठाना है मेरे भारत को आगे लेकर ही जाना है।
भारत जो अपने लोगो में ही अपनी पहचान खोता जा रहा था। पश्चिमी सभ्यता में लीन
होता जा रहा था। आज जनता में अपनी संस्कृति को लेकर अधिक जागरूकता आई है।
हर राज्य ने अपनी विशेष पहचान बनाई है।
आपने जनसंख्या की कुशलता को जाना है। तभी तो दुनिया का निवेश भारत में लाना है।
मुझे हिंदू पर गर्व है भारत पर गर्व है।

हिन्दी यूएसए सेंट लुईस पाठशाला

भाषा, संस्कार और सेवा की एक सुंदर यात्रा

जब वर्ष 2018 में सेंट लुईस की एक छोटी-सी लाइब्रेरी में केवल 22 बच्चों के साथ हिंदीयूएसए सेंट लुईस की शुरुआत हुई थी, तब शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि कुछ वर्षों बाद यही विद्यालय लगभग 225 विद्यार्थियों और 35 स्वयंसेवी शिक्षकों के साथ मिडवेस्ट के सबसे सक्रिय हिंदी विद्यालयों में अपनी पहचान बनाएगा।

आज आठ वर्षों की इस यात्रा को पीछे मुड़कर देखते हैं तो सबसे बड़ी उपलब्धि केवल बढ़ती हुई संख्या नहीं, बल्कि वह परिवार है जो इन वर्षों में बना है। हर शुक्रवार शाम बच्चे हिंदी सीखने आते हैं, लेकिन साथ ही वे भारतीय संस्कृति, अपने त्योहारों, अपनी परंपराओं और अपनेपन से भी जुड़ते हैं। यहीं नई मित्रताएँ बनती हैं, मंच पर बोलने का आत्मविश्वास बढ़ता है और भारत से भावनात्मक जुड़ाव भी मजबूत होता है।

हिंदीयूएसए सेंट लुईस की सबसे बड़ी ताकत उसके स्वयंसेवी शिक्षक हैं। जहाँ शुरुआत केवल 4 शिक्षकों से हुई थी, वहीं आज लगभग 35 शिक्षक पूरे उत्साह से प्रत्येक सप्ताह बच्चों को पढ़ाते हैं। इनमें से 60% से अधिक शिक्षक पाँच या उससे अधिक वर्षों से निरंतर सेवा दे रहे हैं। यही समर्पण विद्यालय की सबसे बड़ी पूँजी है।

विद्यालय ने केवल कक्षाओं तक स्वयं को सीमित नहीं रखा। समय के साथ हमने ऐसी कई व्यवस्थाएँ विकसित कीं, जिन्होंने स्वयंसेवी संस्था के रूप में हमारे काम को और अधिक संगठित बनाया।

आज हमारे पास Spot Volunteer WhatsApp Group (50+ members) है, जहाँ आवश्यकता पड़ते ही अभिभावक और स्वयंसेवक तुरंत आगे आकर कार्यक्रमों में सहयोग करते हैं।शिक्षकों की सुविधा के लिए Google Vacation Calendar बनाया गया है, जिससे पूरे वर्ष कक्षाओं की योजना बिना किसी व्यवधान के चलती रहती है।

छोटी-छोटी ये व्यवस्थाएँ हमारे स्वयंसेवकों का समय बचाती हैं और विद्यालय को अधिक सुव्यवस्थित बनाती हैं।

हमारा विश्वास है कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती। इसलिए हर वर्ष विद्यार्थी, अभिभावक और शिक्षक मिलकर Food Donation Drive आयोजित करते हैं और स्थानीय सेवा संस्थाओं तक खाद्य सामग्री पहुँचाते हैं। कोविड-19 के कठिन समय में हमारे परिवारों ने मिलकर लगभग 2,000 मास्क तैयार किए और स्थानीय अस्पतालों तथा स्वास्थ्यकर्मियों तक पहुँचाए। विद्यार्थियों ने हिंदू मंदिर सहित अनेक सामुदायिक सेवा परियोजनाओं में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सामुदायिक सहयोग भी हमारी पहचान रहा है। वर्षों में हिंदीयूएसए सेंट लुईस परिवार ने विद्यालय तथा विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के लिए मिलकर लगभग 20,000 डॉलर की धनराशि जुटाई। इनमें से लगभग 11,000 डॉलर दुर्गा मंदिर परियोजना के लिए हमारे शिक्षकों और परिवारों द्वारा सामूहिक रूप से योगदान किए गए। यह हमारे समुदाय की एकजुटता का सुंदर उदाहरण है।

हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ साहित्य को बढ़ावा देना भी हमारी प्राथमिकताओं में रहा है। पिछले चार वर्षों से प्रकाशित हमारी ऑनलाइन पत्रिका “हिंदी दर्पण” विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों की रचनात्मक अभिव्यक्ति का मंच बन चुकी है। इसमें स्वरचित कविताएँ, कहानियाँ, लेख, संस्मरण और चित्र प्रकाशित होते हैं। हमें गर्व है कि अनेक शिक्षक और छात्र ने पहली बार अपनी रचनाएँ इसी पत्रिका के माध्यम से प्रकाशित होते देखीं।

विद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी हमारी पहचान बन चुकी हैं। दीपावली, नववर्ष, हिंदी कविता प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वार्षिक समारोह और हाल ही में आयोजित रजत जयंती कवि सम्मेलन ने सेंट लुईस में हिंदी और भारतीय संस्कृति के प्रति लोगों का उत्साह और बढ़ाया है। विशेष बात यह है कि हमारे अधिकांश सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी स्वयं अभिभावक और शिक्षक मिलकर करते हैं। नृत्य, नाटक और समूह प्रस्तुतियों का अभ्यास भी विद्यालय परिसर में ही कराया जाता है।

हिंदीयूएसए सेंट लुईस को अनेक प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ कार्य करने का अवसर भी मिला। हमें भारतीय वाणिज्य दूतावास, शिकागो द्वारा हिंदी दिवस समारोह में आमंत्रित किया गया। विश्व हिंदी परिषद (नई दिल्ली) , भारतीय दूतावास शिकागो, हिंदू मंदिर , BAPS मंदिर, एशियनअमेरिकन Storytelling Programs तथा अन्य सामुदायिक संस्थाओं ने भी समय-समय पर हमें अपने कार्यक्रमों में आमंत्रित किया। वर्ष 2023 में एक अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच के दौरान लगभग 22,000 दर्शकों के सामने हमारे विद्यार्थियों ने विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 2025 में नई दिल्ली के विज्ञान भवन में हिंदी भाषा के वैश्विक प्रचार-प्रसार के लिए सम्मान प्राप्त करना भी हमारे लिए गर्व का विषय रहा। इसके अतिरिक्त Hindi Club of Illinois द्वारा भी विद्यालय को सम्मानित किया गया।

हिंदी भाषा को शैक्षणिक पहचान दिलाने की दिशा में भी सेंट लुईस टीम ने निरंतर प्रयास किए। आज Parkway, Rockwood और Francis Howell School Districts योग्य विद्यार्थियों को हिंदी अध्ययन के आधार पर विदेशी भाषा (Foreign Language) क्रेडिट प्रदान करते हैं। हमारे विद्यालय से Missouri Seal of Biliteracy के लिए आवेदन करने वाले लगभग सभी विद्यार्थियों ने यह सम्मान प्राप्त किया है।

एक और बात जिस पर हमें विशेष गर्व है, वह है हमारे विद्यार्थी। विद्यालय के शुरुआती वर्षों से जुड़े कई विद्यार्थी अब स्वयं छोटे बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षक और सहायक शिक्षक के रूप में लौट रहे हैं। यह केवल हिंदी सीखने की नहीं, बल्कि नेतृत्व, जिम्मेदारी और सेवा की भी शिक्षा है।

आठ वर्षों की इस यात्रा ने हमें यह सिखाया है कि जब स्वयंसेवक, अभिभावक और विद्यार्थी एक परिवार की तरह मिलकर काम करते हैं, तो कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं होता। हिंदी सिखाना केवल भाषा सिखाना नहीं है; यह अपनी जड़ों से जुड़े रहने, भारतीय संस्कारों को आगे बढ़ाने, नई पीढ़ी में आत्मविश्वास जगाने और पूरे समुदाय को एक सूत्र में जोड़ने का माध्यम है।

हम सभी स्वयंसेवकों, शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। आप सभी के सहयोग से हिंदीयूएसए सेंट लुईस आज जिस स्थान पर पहुँचा है, वह हम सबकी सामूहिक मेहनत का परिणाम है।

सेंट लूइस हिन्दी पाठशाला
St. Louis Hindi School
1-877-HINDI-USA

25 YEARS OF HINDI • HERITAGE • CULTURE • COMMUNITY SERVICE
25 YEARS
SILVER JUBILEE
2001-2026
हिन्दी USA
HINDIUSA®
At Its 25th Anniversary
Proudly Presents
Supported By
सत्यमेव जयते
Consulate General of India
New York
GRAND
KAVI SAMMELAN
A Mesmerizing Evening of Poetry, Patriotism & Culture
SUNDAY
MAY 17, 2026
3:30 PM to 7:30 PM
VENUE:
South River High School
11 Montgomery Street
South River, NJ
FREE ADMISSION & PARKING
FEATURED POETS:
RENOWNED INTERNATIONAL POETS FROM INDIA
Shri Rajesh Chetan
Shri Gajendra Solanki
Courtesy and Support of
Government of India – ICCR
ICCR
SPECIAL CULTURAL PRESENTATIONS
Outstanding and entertaining stage performances
by Hindi-learning children from across America
Celebrating 25 glorious years
of Hindi language and Sanatan cultural heritage
विशेष आकर्षण
बाबा सत्यनारायण मौर्य
विश्वप्रसिद्ध चिंतक, चित्रकार एवं समाजसेवी
भारत माता की आरती गाते हुए
सुंदर चित्रकला एवं विशाल लाइंव पेंटिंग प्रस्तुति
हिंदी और सनातन संस्कुति की सेवा-भावना के
25 गौरवशाली वषौं के उपलक्ष्य में
25वां भव्य हिंदी महोत्सव
एवं विराट कवि सम्मेलन
अमेरिका में हिंदी भाषा एवं कलां द्वारा
अद्भुत एवं मनोरेस्मक सांस्कुतिक संध्या प्रस्तुतियाँ
भारत सरकार (ICCR) के सहयोग से
सुप्रसिद्ध कवि
श्री राजेश चेतन
एवं गजेन्द्र सोलंकी
कृपया अवश्य पधारें और साह्तति, कला एव संस्कृति की
इस अनूठी संध्या को काव्याओं के माध्यमै से करें
CELEBRATING
25
YEARS
OF DEDICATED
COMMUNITY SERVICE
• 29 Hindi Schools
• 8 States
• 4000+ Students
• 500+ Volunteers
-877-446-3487 | 609-721-2321 | www.hindiusa.org
Follow HindiUSA on

HindiUSA®

हिन्दी USA

★ **New Registration** ★

25 YEARS OF DEDICATED COMMUNITY SERVICES

In-Person and **Online (Virtual)**

Join HINDI CLASSES

in New Jersey and many Other States

for Kids Ages between 5 and 17 years and Adults

At HindiUSA, we are on a mission to ignite a love for the Hindi language, rich culture, and traditions among Indo-American communities. **Since 2001,** our passionate volunteers have dedicated themselves to nurturing the language skills and cultural appreciation of our children and future generations.

NEXT ACADEMIC SESSION:
SEPT. 2026 – JUNE 2027
Registrations Open!
Don't miss out on our early bird discount!

HindiUSA is ACCREDITED by WASC
ACCREDITING COMMISSION FOR SCHOOLS
WESTERN ASSOCIATION OF SCHOOLS AND COLLEGES

SAVE MORE – REGISTER EARLY!

- Early Bird Registration deadline: **JULY 15, 2026**
- Additional Discount for Siblings
- Don't miss our early bird discount – Register early and save more!

★ SERVICES PROVIDED ★

In-Person and Online Learning: Classes Held Fridays between 7:00 PM and 8:30 PM

Adult Hindi Classes: For busy professionals, adult Hindi classes are available at select school locations

29 Schools in the U.S., including one Online (Virtual); Nine Progressive Levels of Hindi Learning, **4500+ students** (Online schools are available only for students where we do not have our in-person classes.)

All-Inclusive Registration: Small registration fee covers the cost of required books, educational materials and activities throughout the year.

Tailored Syllabus: Each Hindi-level book is meticulously crafted by our own HindiUSA Teachers

Vibrant Activities and Competitions: Engage in exciting Hindi poetry competitions, annual Hindi Mahotsava, and various activities throughout the year, fostering growth and creativity.

Reliable Organization: With 25 years of practical teaching experience

Leadership Opportunities: Hindi USA provides platforms for our talented students to showcase their skills and develop leadership qualities, empowering them for a brighter future.

Progress Assessment: Mid-term and Final exams are conducted to facilitate smooth advancement to the next level.

Educational Trip to India: Qualified students have the incredible opportunity to participate in a two-week-long trip to India during the school holidays in December. HindiUSA takes care of major expenses.

REGISTER HERE!

Registration Link: https://hindiusa.org/registration

Contact: 1-877-446-3487

Join us in preserving our language, culture, and traditions, and enroll your child in Hindi Classes.

Let's embark on a remarkable journey of Hindi language and cultural enrichment together.

★ Join us at HindiUSA, and witness the transformation in your child's language skills and cultural understanding. As they complete the 9 levels of Hindi learning, you'll realize that your investment was truly worthwhile. They will not only acquire the language but also immerse themselves in the richness of our culture and traditions, instilling values and "Sanskar" that will resonate with them for years to come, and make you truly realize many years later. **Register today and embark on a journey that will shape your kids' future.**

If you share our passion and would like to be part of our team of dedicated volunteers, we invite you to join us in this noble cause. Together, let's make a difference in promoting Hindi language, culture, and traditions.
For more information on how to get involved, please contact Rachita Singh at (609)-353-8411.
Hindi USA – Empowering Communities through Volunteerism!

Hindi USA – Nurturing Language, Culture, and "Sanskar" for Generations to Come!

सन २००१ से हिन्दी तथा भारतीय संस्कृति की सेवा में कार्यरत एक समर्पित संस्था

पूर्वजों की विरासत हिन्दी भाषा नयी पीढ़ी को सौपने का एक अभियान, आइये इससे जुड़ें !!!